राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 31 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–280 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना पीड़ित मेहनत कम करें, रिस्क है; हार्ट अटैक के मामलों पर बोले स्वास्थ्य मंत्री

भावनगर (गुजरात)। भारत में तेजी से बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों का कोरोना महामारी से कोई संबंध है? यह सवाल आज सभी के मन में उठ रहा है। जी हां, अब इस बात का जवाब मिल गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने हार्ट अटैक का असल कारण और इससे बचाव के उपाय बताया है। मांडविया ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक स्टडी का हवाला देते और कहा कि जो लोग पहले कोविड??-19 बीमारी से गंभीर रूप से पीड़ित हुए थे, उन्हें दिल के दौरे से बचाव के लिए एक या दो साल तक अधिक मेहनत करने बचना चाहिए। गुजरात में हाल ही में हृदय संबंधी समस्याओं के कारण कई लोगों मौतें हुई हैं, जिनमें नवरात्रि उत्सव के दौरान होने वाले गरबा कार्यक्रम भी शामिल हैं, जिसके कारण राज्य के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल को हृदय रोग विशेषज्ञों सहित चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ बैठक करनी पड़ी थी। पटेल ने हार्ट अटैक के कारणों और इससे बचाव के उपायों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों से मौतों का डेटा इकट्ठा करने को कहा था। मंडाविया ने संवाददाताओं से कहा, आईसीएमआर ने डिटेल स्टडी की है। इस स्टडी के अनुसार, जो लोग गंभीर कोविड?-19 संक्रमण से पीड़ित रहे हैं, उन्हें अधिक मेहनत वाले काम नहीं करने चाहिए। उन्हें थोड़े समय के लिए, जैसे कि एक वर्ष या जरूरत से ज्यादा कसरत, दौड़ने और भारी व्यायाम से दूर रहना चाहिए, ताकि दिल के दौरे से बचा जा सके। अपनी हालिया यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल ने भी इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की थी। दिल का दौरा पड़ने से मरने वालों में खेड़ा जिले के 12वीं कक्षा के छात्र वीर शाह, अहमदाबाद के 28 वर्षीय रवि पांचाल और वडोदरा के 55 वर्षीय शंकर राणा शामिल थे। संयोग से, नवरात्रि उत्सव शुरू होने से पहले, राज्य स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने एक अधिसूचना के माध्यम से, गरबा कार्यक्रम आयोजकों के लिए प्रतिभागियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर एक एम्बुलेंस और एक मेडिकल टीम तैनात करना अनिवार्य कर दिया था।

पीएम मोदी के दौरे के बाद भारत-चीन बॉर्डर पर सफर आसान, चार धाम बदरीनाथा केदारनाथ-मानसखंड के बीच घटेगी दूरी

पिथौरागढ़। पीएम मोदी के उत्तराखंड दौरे के बाद भारत-चीन बॉर्डर पर सड़कों का जाल बिछने वाला है। चार धाम और मानसखंड को करीब लाने वाली मिलम- दुंग सुमना मलारी चमोली सड़क के निर्माण कार्य के अब रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलास भ्रमण के बाद केन्द्रीय स्तर पर इस सड़क के निर्माण की कवायद तेज हुई है।

चीन सीमा से लगे मिलम से लपथल,गढ़वाल में सुमना मलारी चमोली जिले को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण किया जाना है। इसका प्रारंभिक सर्वे कार्य 2020 में कराया गया। 12 अक्तूबर को प्रधानमंत्री मोदी के यहां सार्वजनिक सभा से चारधाम के बाद मानसखंड मंदिर माला मिशन के विकास की घोषणा करने के बाद केन्द्र सरकार के स्तर से इस सड़क के निर्माण के प्रयास तेज होते दिख रहे हैं।

बीआरओ की बीसीसी कंपनी को इस सड़क के विस्तृत सर्वे और निर्माण का जिम्मा दिया गया है। गंगपानी टोपीढुंगा से मिलम के रास्ते समुद्र सतह से 4500 मीटर की ऊंचाई पर होकर यह सड़क गुजरेगी। उच्च हिमालयी क्षेत्र से प्रस्तावित इस सड़क के निर्माण से मुनस्यारी से जोशीमठ की दूरी पहले की तुलना में लगभग 150 किमी कम हो जाएगी।

अभी मुनस्यारी से जोशीमठ जाने के लिए 314 किमी लंबी यात्रा करीब 10 घंटे से अधिक सफर के बाद तय करनी पड़ती है। मिलम से सुमना मलारी चमोली जिले को जोड़ने वाली इस सड़क के बन जाने के बाद जोशीमठ से महज करीब 150 किमी दूरी तय कर चार धाम आने वाले यात्री आसानी से मुनस्यारी पहुंच सकेंगे।

ब्रदीनाथ और केदारनाथ जाना भी बेहद सुगम हो जाएगा। इस तरह यह सड़क चारधाम और मानसखंड को करीब लाने के साथ ही आध्यात्मिक पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगी। विस्तृत सर्वे के बाद केन्द्र सरकार निर्माण के लिए जल्द ही भारी भरकम बजट जारी कर सकती है।

चीन सीमा से होकर गुजरेगी यह सड़क मुनस्यारी मिलम से चमोली जिले को जोड़ने वाली अधिकतर सड़क चीन सीमा के करीब से होकर गुजरेगी। इस सड़क के निर्माण से भारत की सामारिक ताकत भी मजबूत होगी व गढ़वाल व कुमाउं मंडल की दूरी भी आपस में कम होगी।

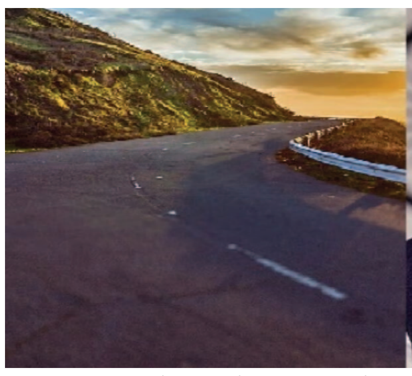

उच्च हिमालय में वाहन से सफर का मिलेगा मौका मिलम-लपथल होकर टोपीढुंगा, सुढ़ांग से चमोली जिले को प्रस्तावित सड़क के बनने के बाद लोगों को उच्च हिमालयी क्षेत्र में वाहन से सफर करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान रास्ते में हिमालय के मनमोहक स्थल परी ताल आदि देखने को मिलेंगे। लपथल में मिलते हैं शालीग्राम पत्थर लपथल में शालीग्राम पत्थर प्रसिद्ध है। भगवान विष्णु का इन्हें स्वरूप माना जाता है।

यहां से होकर बनेगी सड़क
स्थान दूरी किमी में
मिलम से दुंग 13
दुंग से गंगपानी 27
गंगपानी से सुढ़ांग 24
सुढ़ांग से लपथल 18
लपथल से सुमना 12

150 किमी पैदल चल 8 दिन में किया सर्वे

30 सितंबर 2020 को इस सड़क का प्रारंभिक सर्वे कार्य करने को एक संयुक्त टीम भेजी गई। इस टीम में वन क्षेत्राधिकारी पूरन सिंह देऊपा, वन दरोगा त्रिलोक सिंह राणा, राजस्व उपनिरीक्षक मिलम, केन्द्रीय लोनिवि के अवर अभियंता शामिल रहे थे। टीम ने 8 दिन में 150 किमी पैदल चलकर यह सर्वे पूरा किया।

इस सड़क का निर्माण किया जाए। चार धाम और मानसखंड के प्रमुख आदि कैलास, नंदा देवी के दर्शन करना आसान होगा। नया धार्मिक पर्यटन मार्ग नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

श्रीराम सिंह धर्मशत्तू, अध्यक्ष मल्ला जोहार विकास समिति, मुनस्यारी।

सड़क पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। निर्माण तत्परता से कराया जाए, जिससे सीमांत में चारधाम से सीधे पर्यटक आ सकेंगे। मुनस्यारी, मिलम, आदि कैलास, दारमा, व्यास, चौदांस के पर्यटक स्थलों में आने का अवसर मिलेगा।

हरीश धामी, विधायक, धारचूला।

आंध्र प्रदेश में दो पैसेंजर ट्रेनों की आपस में टक्कर

अब तक 14 की मौत, 50 घायल

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में दो ट्रेनों की भीषण टक्कर से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 लोग घायल हुए हैं। यह दुर्घटना आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिला स्थित कंटाकापाली व आलामंडा स्टेशनो के बीच हुई है। वहीं, ईस्ट कोस्ट रेलवे के सीपीआरओ विश्वजीत साहू ने बताया कि इस ट्रेन दुर्घटना में घायल सभी यात्रियों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएम मोदी ने रेल मंत्री से बात कर ली ट्रेन हादसे की जानकारी

रेल हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिजनों को केंद्र सरकार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मुआवजा देने का एलान किया है। वहीं, पीएम मोदी ने इस हादसे को लेकर रेल मंत्री ने अश्विनी वैष्णव से बात कर स्थिति का जायजा लिया। पीएमओ ने बताया कि इस हादसे में प्रभावित लोगों को अधिकारी हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की है।

तीन साल की सजा है; महुआ मोइत्रा पर फिर बोले निशिकांत दुबे

बताया 2005 के कैश कांड से भी बड़ा मामला

नई दिल्ली। कैश लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों में घिरीं महुआ मोइत्रा पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने फिर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में कहा कि भारत सरकार की आईटी पॉलिसी साफ कहती है कि आप अपनी ईमेल आईडी, पोर्टल और इंट्रानेट के पासवर्ड को किसी के साथ साझा नहीं कर सकते। ऐसा करने पर तीन साल तक की सजा का प्रावधान है। उन्होंने एक्स पर लिखा, %महुआ जी के कई साक्षात्कार को देखा व पढ़ा। सांसद जिस आईटी स्टैंडिंग कमेटी की सदस्य हैं। उसी को पढ़ लेतीं। आईटी ऐक्ट 2000 के नियम 43 के अनुसार कम्प्यूटर,डाटा के पासवर्ड की जानकारी आप सिस्टम के मालिक की परमिशन से ही दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि यहां सिस्टम के मालिक लोकसभा स्पीकर ही हैं या फिर एनआईसी है। आपने किससे पूछा? यदि नहीं तो राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ के अलावा भ्रष्टाचार में भी 3 साल जेल है। जानकारी के लिए यह संपत्ति संसद की है,यदि हम सांसद नहीं हैं तो फिर इसे डिपॉजिट करना होता है। यही नहीं एक और पोस्ट करके निशिकांत दुबे ने आईटी ऐक्ट के उन प्रावधानों का भी जिक्र किया, जिसमें पासवर्ड जैसी संवेदनशील जानकारियों को साझा करना गलत माना गया है। उन्होंने कहा कि यह मामला तो 2005 के कैश के बदले सवाल से भी बड़ा है। भाजपा सांसद ने जनता और नेताओं से अपील की कि वे पक्ष और विपक्ष से ऊपर उठकर इस मामले में साथ दें। निशिकांत दुबे लगातार टीएमसी की सांसद पर हमलावर हैं। उन्होंने एक होटल का बिल भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है और दावा किया है कि महुआ के इस खर्च का भुगतान कारोबारी हीरानंदानी ने ही किया था। दुबे ने लिखा, साक्षात्कार के अनुसार महुआ जी ने हीरानंदानी से कोई फेवर नहीं लिया, यह उनके होटल का बिल है, जो हीरानंदानी ने दिया। यह 2018 का है, जब महुआ बंगाल विधानसभा की सदस्य थीं। 2019 के बाद का लेखा जोखा तो कमिटी लेगी। गौरतलब है कि महुआ मोइत्रा पर आरोप है कि उन्होंने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से कैश और गिफ्ट लेकर संसद में गौतम अडानी को लेकर सवाल पूछे थे। उन्हें संसद की एथिक्स कमेटी ने 2 नवंबर को पेशी पर बुलाया है। उनसे पहले निशिकांत दुबे से पूछताछ की जा चुकी है। बता दें कि महुआ मोइत्रा ने हीरानंदानी से कैश लेने की बात से इनकार किया है।

कतर में सजा-ए-मौत पाए भारतीयों के परिवारों से मिले एस जयशंकर

कतर में हिरासत में लिए गए ये भारतीय नौसेना के पूर्व कर्मी हैं। सभी को जासूसी के आरोप में बीते साल हिरासत में लिया गया था और हाल ही में सजा–ए–मौत सुनाई गई है।

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कतर में फांसी की सजा पाने वाले 8 भारतीयों के परिवारों से मुलाकात की। जयशंकर ने मुलाकात के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि भारत सरकार मामले को सर्वोच्च महत्व दे रही है और सभी भारतीयों की सजा रोकने के लिए तेजी से काम कर रही है। बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि परिवारों की चिंताओं और दर्द को मैं पूरी तरह महसूस करता हूं। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास करना जारी रखेगी। इस संबंध में परिवारों के साथ निकटता से समन्वय भी करेगी। बता दें कि कतर की एक अदालत ने 8 पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई है।

निकाल लो जैकेट, कंबल और रजाई, दिल्ली में ठंड को लेकर जारी हुआ अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में तेजी से बिगड़ती आबोहवा के बीच सुबह-शाम की ठंड ने मौसम में काफी बदलाव ला दिया है। अब अधिकतर घरों में पंखे-कूलर बंद हो गए हैं और बच्चों और बुजुर्गों के गर्म कपड़े निकल आए हैं। राजधानी में बुधवार 1 नवंबर से ठंड और बढ़ सकती है। रविवार को न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जोकि शनिवार की तुलना में दो डिग्री ज्यादा रहा। अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा था।

दिल्ली में सांस लेना भी हुआ मुश्किल, गंभीर स्थिति के करीब पहुंची हवा

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में सुबह एवं शाम को ठंडक बनी हुई है। रविवार को मौसम साफ रहने के चलते तापमान में हल्की वृद्धि देखने को मिली। अगले दो से तीन दिन इसी तरह का मौसम बना रहेगा। सोमवार को अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

दिल्ली–एनसीआर की हवा में तेजी से बढ़ रहा प्रदूषण

बता दें कि, दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को लगातार दूसरे दिन बहुत खराब श्रेणी की रही और महीने के अंत तक राहत मिलने की संभावना नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली का बीते 24 घंटे का औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 325 दर्ज किया गया, जो शनिवार को 304 था। शुक्रवार को यह 261 था जो खराब श्रेणी को दर्शाता है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक गुरुवार को 256, बुधवार को 243 और मंगलवार को 220 था।

वहीं, पड़ोसी शहरों गाजियाबाद में एक्यूआई 286, फरीदाबाद में 309, गुरुग्राम में 198, नोएडा में 281 और ग्रेटर नोएडा में 344 दर्ज किया गया।

गौरतलब है कि शून्य और 50 के बीच एक AQI को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

महिला अग्निवीर भी जल्द उठा सकती हैं हथियार, भारतीय सेना में शुरू होने वाली हैं नियुक्तियां

नई दिल्ली। भारतीय सेना में अब महिलाओं का कद बढ़ाए जाने की तैयारी है। खबर है कि महिला अग्निवीरों को जवानों के तौर पर शामिल करने का प्रस्ताव दिया गया है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। जून 2022 से ही भारतीय सशस्त्र बलों में अग्निपथ योजना के जरिए नियुक्तियां जारी हैं। आंकड़े बताते हैं कि फिलहाल भारतीय सैन्य सेवाओं में करीब 1700 महिला अधिकारी हैं।

भारतीय सेना के तीन वर्ग

भारतीय सेना में टुकड़ियों को उनकी भूमिका और काम के आधार पर तीन वर्गों में बांटा जाता है। कॉम्बैट आर्म्स (पैदल सेना, हथियारबंद और मशीनीकृत पैदल सेना शामिल है।), कॉम्बैट सपोर्ट आर्म्स (तोपखाने, इंजीनियर, हवाई सुरक्षा, सैन्य विमानन और सैन खुफिया व्यवस्था शामिल है।) और सर्विसेज (आर्मी सर्विस कॉर्प्स, आर्मी ऑर्डनेंस कॉर्प्स, कॉर्प्स ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स और आर्मी मेडिकल कॉर्प्स) इसका हिस्सा हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि महिलाओं को जवानों के तौर पर नियुक्त करने का प्रस्ताव अंतिम चरण में है। कहा जा रहा है कि नियुक्ति पहले सर्विसेज से शुरू होगी। बाद में इसका विस्तार कॉम्बैट सपोर्ट आर्म्स में किया जाएगा। भारतीय सेना में 10 लाख से ज्यादा जवान हैं। अब तक सेना में महिलाओं को सैनिक स्तर पर सैन्य पुलिस कोर में शामिल किया है।

जून 2016 में ही भारतीय वायुसेना ने महिलाओं की लड़ाकू भूमिका में नियुक्ति की शुरुआत कर दी थी। उस दौरान वायुसेना में तीन महिला अधिकारी लड़ाकू पायलट के तौर पर शामिल हुई थीं।

IAF निकला आगे

जून 2016 में ही भारतीय वायुसेना ने महिलाओं की लड़ाकू भूमिका में नियुक्ति की शुरुआत कर दी थी। उस दौरान वायुसेना में तीन महिला अधिकारी लड़ाकू पायलट के तौर पर शामिल हुई थीं। अब तक IAF 15 महिला लड़ाकू पायलटों को सेना का हिस्सा बना चुका है। इधर, दिसंबर 2022 में नौसेना ने भी महिला अधिकारियों के लिए सभी सेवाओं में रास्ते खोल दिए थे।

भारतीय नौसेना ने अब तक 28 महिला अधिकारियों की जहाजों पर तैनाती की है। साथ ही महिला अधिकारियों को नौसेना के विमानों और हेलीकॉप्टरों पर भी लड़ाकू भूमिका में तैनात किया गया है।

संपादकीय

मच्छर बनाम मच्छर

लोहा ही लोहे को काटता है। अमेरिका में कोलंबिया के तीन शहरों में यही बात साबित होती दिख रही है। वोल्बाचिया नामक जीवाणु फैलाने वाले मच्छरों के आने के बाद से डेंगू के मामलों में नाटकीय रूप से गिरावट देखी गई है। वोल्बाचिया वाले मच्छरों को वास्तव में वैज्ञानिक ढंग से विकसित किया गया है। जहां भी इनका प्रयोग किया जा रहा है, वहां डेंगू के मामलों में 94-97 प्रतिशत की गिरावट आई है। चूंकि जैविक रूप से विकसित मच्छरों को अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंजूरी नहीं दी है, इसलिए यह प्रयोग एक गैर-सरकारी संगठन के जरिये ही किया जा रहा है। इन मच्छरों को विश्व मच्छर कार्यक्रम (डब्ल्यूएमपी) द्वारा छोड़ा गया था। यह प्रयोग कोलंबिया में ही नहीं, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, इंडोनेशिया और वियतनाम सहित कुछ अन्य देशों में भी चल रहा है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबॉर्न में डब्ल्यूएमपी और मोनाश यूनिवर्सिटी की महामारी विज्ञानी केटी एंडर्स कहती हैं, 'आबादी और क्षेत्रफल के हिसाब से यह वैश्विक स्तर पर अब तक वोल्बाचिया (मच्छरों) का सबसे बड़ा प्रयोग है।' केटी एंडर्स ने 22 अक्तूबर को शिकागो में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन की वार्षिक बैठक में प्रयोग के नतीजे पेश किए हैं। इससे वैज्ञानिकों का उत्साह बढ़ा है और डेंगू से जूझ रहे देशों में लोगों के बीच जिज्ञासा और आशा, दोनों में वृद्धि हुई है। वास्तव में संशोधित मच्छर के संपर्क में आने पर बाकी मच्छरों में डेंगू और जीका जैसी बीमारियों को फैलाने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि संशोधित मच्छरों को जहां भी छोड़ा जाएगा, वे मच्छरों की स्थानीय आबादी के साथ प्रजनन करेंगे और समय के साथ संशोधित मच्छरों की संख्या बढ़ती चली जाएगी। धीरे-धीरे बीमारी फैलाने वाले मच्छरों की आबादी कम हो जाएगी और इससे मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। वैसे यह प्रयोग बहुत नया नहीं है। डब्ल्यूएमपी ने पहली बार 2015 में कोलंबिया में संशोधित मच्छरों को तैनात किया था और इन मच्छरों की संख्या बहुत बढ़ गई है। आखिरकार 135 वर्ग किलोमीटर के संयुक्त क्षेत्र और 33 लाख लोगों के घर वाले बेलो, मेडेलिन और इटागुई शहर में ये मच्छर ज्यादा हो गए हैं। इन शहरों में करीब 60 प्रतिशत मच्छर संशोधित मच्छरों से प्रभावित हो चुके हैं। आशा की नई किरण दिखाई पड़ रही है। जब वैज्ञानिकों ने पूरी तरह से उपचारित क्षेत्रों में डेंगू की घटनाओं की तुलना पहले के दस वर्षों में डेंगू की घटनाओं से की, तो पाया कि बेलो और मेडेलिन में 95 प्रतिशत और इटागुई में 97 प्रतिशत की गिरावट आई है। इन शहरों में ऐसी स्थिति के लिए वैज्ञानिकों को छह साल प्रयास करने पड़े हैं। अब ये वैज्ञानिक विश्व के दूसरे इलाकों में यह प्रयोग आजमाना चाहते हैं। इस प्रयोग और उसके प्रसार को मंजूरी दिलाने के लिए भी प्रयास तेज हो रहे हैं। ऐसे मच्छरों को पैदा करने के लिए ब्राजील में एक कारखाना बनाने की भी तैयारी है। कोई शक नहीं कि डेंगू दुनिया के लिए बड़ा खतरा है। यह दुनिया में 40 प्रतिशत इलाके में ज्यादा घातक है, हर साल करीब 10 करोड़ लोग इससे संक्रमित होते हैं और 21,000 लोगों की मौत हो जाती है। भारत की बात करें, तो पिछले साल करीब तीन लाख लोग डेंगू ग्रस्त हुए थे और 303 लोगों की मौत हुई थी। क्या यह प्रयोग भारत में भी संभव होगा और भारतीयों को डेंगू के खतरे से निजात मिलेगी? इसके लिए शायद थोड़ा इंतजार करना होगा।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

खाद्यान्न संकट के बीच कुपोषण की चुनौती

सुबीर रॉय

नवीनतम वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत को 111वें स्थान पर रखा गया है, यह जगह 125 मुल्कों में न केवल सबसे निचले पायदानों की है बल्कि हम पड़ोस के बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान से भी पिछड़े हुए हैं। उम्मीद के मुताबिक भारत सरकार की ओर से खंडन आना ही था। भारत ने इस सूचकांक को नकारते हुए कहा है भुखमरी पैमाना के इस ढंग में प्रणालीगत खामियां हैं। यहां तक कि एक कदम आगे जाकर इसको वह हरकत ठहराया है, जिसमें 'बदनाम करने का इरादा' झलकता है। यह सूचकांक वेल्ट हंगर हाइफे (डब्ल्यूएचएच) और कंसर्न वर्ल्डवाईड नामक दो नामचीन संस्थानों द्वारा बनाया जाता है। यह भांपते हुए पिछले सूचकांकों की भांति भारत इस बार भी आकलन पर एतराज करेगा, दोनों संस्थाओं ने भारत सरकार से बात करने के बाद और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा उपलब्ध डाटा को शामिल करते हुए यह सूचकांक जारी किया है। असल में, यह सूचकांक समूची वैश्विक व्यवस्था के लिए बुरी खबर बता रहा है। वैश्विक भुखमरी का आंकड़ा बहुत ऊंचे स्तर पर बना हुआ है और इसको नीचे लाने पर प्रगति पिछले सालों में ठहरी-सी है। वर्ष 2008 और 2015 के आंकड़ों में उभार (जो कि वास्तव में स्थिति और बिगड़ने का द्योतक है) अपने से पिछले साल के मुकाबले चार बिंदु अधिक रहा, वहीं 2023 का नवीनतम आंकड़ा 2015 से एक बिंदु कम है। साथ ही, कुपोषण की रेखा भी असल में ऊपर उठी है। वैश्विक और राष्ट्रीय सूचकांक की गणना करने में चार संकेतक इस्तेमाल किए जाते हैं- कुपोषण (नाकाफी कैलोरी ग्राह्यता), लंबाई में आशातीत वृद्धि न होना (उम्र के अनुसार कम लंबाई), कम भार (लंबाई के मुताबिक कम भार) और शिशु-मृत्यु दर (पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत)। वर्तमान लेखा-जोखा बताता है कि वर्ष 2030 तक विकास ध्येय पाने की पूर्ति में उपरोक्त चारों संकेतक आशान्वित नहीं करते। 2030 तक शून्य भुखमरी ध्येय पाने की दिशा में, 58 राष्ट्र यानी कि नवीनतम सूची में शामिल लगभग आधे देश, शून्य का आंकड़ा पाना तो दूर की बात है, न्यूनतम-भुखमरी स्तर की प्राप्ति भी नहीं कर पाएंगे। वर्ष 2015 से 2023 के बीच बनी इस अधोगति का अध्ययन दो कारण बताता है। पहले कोविड-19 महामारी का आना और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध, जिससे खाद्य कीमतों में बहुत ऊंचा उछाल आया। कुछ गरीब मुल्कों में तो लोग एक वक्त के भोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। छोटे स्तर में ही सही, गैर-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगाकर भारत ने भी अंतर्राष्ट्रीय खाद्य तंगी और उच्च मूल्य बनाने में भूमिका निभाई है क्योंकि सबसे बड़े चावल निर्यातकों में भारत एक है। चिंताजनक यह है कि वैश्विक खाद्य स्थिति में सुधार होने की संभावना नहीं दिख रही। अतिशयी मौसमीय मार (जो कि पर्यावरणीय बदलावों का नतीजा है) लगातार बढ़ने लगी है और जिससे बनी बाढ़ या सूखे खाद्यान्न उत्पादन पर असर डालते हैं। इसके साथ ही, यदि इस्राइल-हमास लड़ाई में आसपास के मुल्क भी कूद पड़े तो इससे खाद्यान्न आपूर्ति में आगे अनिश्चितता बनेगी और कीमतें और ऊपर उठेंगी। सूचकांक में प्रयुक्त हुए चार संकेतकों में तीन में भारत और पड़ोसी देश सबसे खराब श्रेणी में नहीं आते अर्थात उम्र-बनाम-लंबाई, कुपोषण और शिशु-मृत्यु दर में। लेकिन भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश लंबाई-बनाम-भार श्रेणी में सबसे अधिक प्रभावित वर्ग में है। इन तीनों में, भारत का आंकड़ा सबसे अधिक 18.7 फीसदी होने के कारण स्थिति सबसे खराब है, तो श्रीलंका (13.1 प्रतिशत) और बांग्लादेश 11 फीसदी स्कोर के साथ सबसे ऊपर है। यह दृश्यावली उस बृहद हकीकत से भी बंधी है, जिसमें बांग्लादेश कहीं ज्यादा गरीब होने के बावजूद मानव विकास संकेतकों में भारत से ऊपर स्थान पर है। सूचकांक रिपोर्ट में नीतियों में सुधार के वास्ते कई सिफारिशें सुझायी गई हैं। कहा गया है कि खाद्य व्यवस्था में बदलाव करने में 'भोजन का अधिकार' को प्रक्रिया का आधार बनाया जाए। इस खाद्य व्यवस्था की रूपांतरण प्रक्रिया में युवाओं की क्षमताओं पर निवेश किया जाए। सततापूर्ण, न्यायसंगत और लचीली खाद्य व्यवस्था में निवेश करके सुनिश्चित किया जाए कि वे युवा जनसंख्या को व्यवहार्य और आकर्षक कमाई करने का मौका मिल पाए। भारत सरकार के लिए इसका मतलब है, 'भोजन का अधिकार' बनाना, जो भले ही संविधान में लिखित रूप में न हो परंतु 'शिक्षा का अधिकार' की भांति सबकी एक वास्तविक जरूरत है। जिस तरह 'शिक्षा का अधिकार' कार्यक्रम पर क्रियान्वयन हुआ है, लगता है चाहे 'अधिकार' शब्द से यह जरूरत कानूनन रूप से पाने की राह खुलती हो, पर जब तक इस पर अमल अर्थपूर्ण न हो पाएगा तब तक यह न्यायसंगत नहीं बन पाएगी। इसके अतिरिक्त, कोई वजह नहीं कि अपने ज्यादा अनुभवों के साथ बड़े-बुजुर्ग खाद्य व्यवस्था में रूपांतरण के लिए बढ़िया योगदान न कर पाएं। वैश्विक भुखमरी सूचकांक पर भारत के एतराजों के पीछे कई कारण हैं। कुपोषण का डाटा, जो कि सूचकांक का मुख्य अवयव है, वह गैलप वर्ल्ड पोल की खोज पर आधारित है, जिसका सर्वेक्षण केवल 3000 लोगों पर आधारित है। इस रिपोर्ट में भारत में उम्र-बनाम-लंबाई और लंबाई-बनाम-भार में असमानता दर बहुत अधिक बताई गई है। यह डाटा राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वे (2019-21) से लिया गया है। भारत सरकार का एतराज यह भी है कि सूचकांक बनाते वक्त वास्तविक समय आधारित 'पोषण ट्रैकर' डाटा को गिना जाना चाहिए था। भारत सरकार विश्व स्वास्थ्य संगठन के बहु-केंद्रीय विकास संदर्भ अध्ययन का डाटा इस्तेमाल करने पर भी सवाल उठाती है, जिसने उम्र-बनाम-लंबाई और लंबाई-बनाम-भार का जमीनी सर्वे भारत में 1997-2003 में किया था, जो कि अब पुराना पड़ चुका है। एक एतराज यह भी है कि अध्ययन में दक्षिण भारत के अमीर बच्चों का ही डाटा लिया गया है जो कि पूरे देश के बच्चों की स्थिति का वास्तविक प्रतिनिधित्व नहीं करते। बेशक वैश्विक सूचकांक को खारिज करना आसान है लेकिन भारत के लिए आगे की राह है क्या? वर्तमान में काफी सब्सिडी देकर सस्ती दर पर खाद्य उपलब्धतता नीति, सबको स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित ध्येय, और खुले में शौच रोककर स्वच्छता बनाने के कार्यक्रम जारी हैं। शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में इनकी भी भूमिका है। साथ ही, ग्रामीण जनसंख्या को भुखमरी से बचाने के मकसद से चलाई जा रही राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम को विस्तार देकर, इसमें सकल ग्रामीण गरीबों को भी शामिल करना चाहिए। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर, अनेक राज्य सरकारें 'मुफ्त की रेवड़ियां' देने का वादा कर रही हैं, जिसको वित्तीय रूप से गैर-जिम्मेवाराना ठहराकर समीक्षक आलोचना किया करते हैं, लेकिन गरीबी और भुखमरी को दूर रखने में इनकी भी भूमिका है। सूचकांक में प्रयुक्त शब्द 'भुखमरी' हो सकता है यथेष्ट संज्ञा न हो, लेकिन इसमें शक कम ही है कि जरूरतमंद बच्चों में कुपोषण से निपटने को बनाई गई आंगनवाड़ी व्यवस्था नाकाफी होने से पौष्टिकता की कमी व्यापक रूप से बनी हुई है। नीति-निर्माताओं को सूचकांकों से परे जाकर देखने और इन मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है।

लेखक वरिष्ठ आर्थिक विश्लेषक हैं।

आखिर कब तक रेल हादसों में बेमौत मरते रहेंगे बेकसूर यात्री?

(लेखक- नरेंद्र भारती)

आखिर कब तक रेल हादसों में बेमौत मरते लोग यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है, भीषण रेल हादसे कब रुकेंगे आंध्रप्रदेश में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए, लाशों को ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए। चारों तरफ लाशों का अंबार लग गया है दर्दनाक रेल हादसा आंध्रप्रदेश में घटित हुआ द्यआंध्रप्रदेश के विजयनगरम जिले में विशाखापतनम प्लासा ट्रेन ने विशाखापत्तनम रायगढ़ ट्रेन को टक्कर मार दी जिसमें दर्जनों लोगों की दर्दनाक मौत हो और सेकड़ो लोग घायल हो गएद्य रेल यात्रा असुरक्षित होती जा रही है और यात्री असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैंद्य चार दिन पहले एक ट्रेन के तीन डिब्बे जल जाने से कुछ यात्री झूलस गए थेद्य गत महीने उड़ीशा के बालासोर में तीन रेलगाड़ियों की भिड़तं से हुए भीषण हादसे में 288 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।हादसे में 747 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए थे। दर्दनाक हादसे से हर भारतीय गमगीन है ।यह हादसा बहुत ही दर्दनाक था हर तरफ लाशें ही लाशें बिखरी थी लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूढ रहे थे जो चिरनिंद्रा में सो गए थे ।देश में रेलगाड़ीयो के भीषण हादसों में प्रतिवर्ष हजारों यात्री बेमौत मारे जा रहे है रेलगाड़ीयो के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अक्तूबर 2018 को अमृतसर में रेल पटरियों पर जमा भीड़ को कुचल डाला था इसमें 59 लोग मारे गए थे ।यदि पिछले हादसों से सबक सीखा होता तो ऐसा मौत का मंजर देखने को न मिलता ।यह कोई नया हादसा नहीं है पहले भी ऐसे बहुत से हादसे लोगों की जिन्दगियां छिन चुके हैं। पिछले लगभग दस वर्षों में हजारों लोग इन हादसों का दंश झेल चुके हैं कभी आपसी भिडंत के कारण लोगों की जानें जाती है जो कभी आगजनी के कारण यात्री मारे जाते हैं। और कभी पटरियों पर मौत मंडराती है और कई घरों के चिरागों को असमय बूझा देती है। आंकडो के अनुसार 6 जून 1981 को बिहार में मानसी व सहरसा के पुल के उपर से गुजरतें समय रेलगाडी के बागमती नदी में गिर जाने से 800 यात्री असमय काल का ग्रास बने थे 20 अगस्त 1995 को दिल्ली से कानपुर के लिए चलने वाली पुरुषेतम एक्सप्रैस उतर प्रदेश के फिरोजाबाद में कालिंदी एक्सप्रैस से टकरा गई थी इस हादसे में 360 से अधिक लोग मारे गए थे ।26 नवंबर 1998 को जम्मू तवी सियालदाह एक्सप्रैस गोल्डन टेंपल एक्सप्रैस के साथ हादसे की शिकार हो गई इस हादसे में 280 से अधिक लोग मारे गए थे ।22 जून 2001 को केरल में मंगलौर -चेन्नई मेल कड़ाकूली नदी में गिर गई इसमें 40 लोग मारे गये थे 4 जून 2002 को उत्तर प्रदेश में कासगंज एक्सप्रैस रेलवे क्रासिंग पर एक बस से टकरा गई थी जिसमें 34 लोग मारे गये थे। 10 दिसंबर 2002 को कोलकता से नई दिल्ली आ रही राजधानी एक्सप्रैस बिहार में एक पुल पर पटरी से उतर गइे जिसमें 120 लोग मारे गये थे। वर्ष 2004 में जालंधर में ट्रेनों की भिडत के कारण 34 लोग मारे गयें थे। 9 नवंबर 2004 को पश्चिम बंगाल रेल हादसे में 40 लोग मारे गये 1 दिसंबर 2006 को भागलपुर में ट्रेन के पुल से गुजरते समय पुल का एक हिस्सा गिरने से 35 लोगों की मौत हुइ थी। 21 अक्तूबर 2009 को मथुरा में ट्रेन हादसे में 22 लोग मारे गये थे 28 जुलाई 2010 को पश्चिमी बंगाल में रेल पटरियों में तोडफोड के कारण ज्ञानेश्वरी एक्सप्रैस के 13 डिब्बे पटरियों से उतर गये और एक मालगाडी ने टक्कर मार दी इस भीषण हादसे में 148 लोग मारे गये थे। 20 सितंबर 2011 को मध्यप्रदेश में स्टेशन पर खडी इंदौर ग्वालियर एक्सप्रैस एक मालगाडी से टकरा जाने से 33 यात्री मारे गये थे ।22 मई 2012 को बैंगलौर जा रही हम्पी एक्सप्रैस व मालगाडी टकराने से 25 लोग मारे गये थे 31 मई 2012को जौनपुर में दून एक्सप्रैस हादसे में सात लोग मारे गये थे। कामायनी एक्सप्रैस और मुम्बई से जबलपुर जा रही जनता एक्सप्रैस दोनो ट्रेनो के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए और उफनती माचक नदी में गिर जाने से 11 महिलाओं और पांच बच्चों समेत कम से कम 29 यात्रीयो की मौत हो गई थी। ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा रायबरेली के पास हुआ था जब ट्रेन पटरी से उतर गई थी और जिसमें 40 बेकसूर यात्री बेमौत मारे गए थे और 150 के लगभग घायल हो गए थे यह हादसा इतना भीषण था कि गैस कटर से डिब्बों को काटकर घायलों व मृतकों की लाशों को बाहर निकाला गया था। इतने भयावह हादसों के बाद भी रेल प्रशासन की निंद्रा क्यों नहीं टूट रही है यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है यदि उचित उचाय किए गए होते तो यह हादसे रुक सकते थे लेकिन जब बड़ा हादसा हो जाता है तभी प्रशासन की तन्द्रा टूटती है। यह हादसे नहीं है सरासर हत्याएं है। ऐसी घोर लापरवाही करने वालों को कड़ी सजा देनी चाहिए जिनके कारण कई घरों में मातम छा गया और बच्चे अनाथ हो गये तथा कई माताओं व बहनों के सुहाग उजड गयें। मुआवजा इसका हल नहीं है। मुआवजे से मानव जीवन वापस नहीं लौट सकता। नेताओं को अपने मगरमच्छी आंसू बहाने के व्यवस्था में सुधार करना चाहिए ताकि देश के नागरिकों को सुविधा मिल सके और ऐसे हादसे रुक सके। केन्द्र सरकार व रेलवे मंत्रालय को कारगर कदम उठाने होगें ताकि भविष्य में अनहोनी को टाला जा सके ।यह जनहित में बेहद जरुरी चंद मिनटों में लोग लाशों में तब्दील हो गए घटनास्थल पर किसी का हाथ किसी का पैर और किसी का सिर का सिर गिरा था। शव क्षत-विक्ष हो चुके थे ।लापवाही बरतने वालों को सजा दी जाए। लोगों ने कभी सपने मे भी नहीं सोचा होगा कि लोगों को मौत नसीब होगी। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। हादसे में किसी ने अपना बच्चा खो दिया तो किसी के सिर से बाप का साया उठ गया ।मुआबजा का मरहम उनके परिजनों के जख्म नहीं भर सकता। मुआवजा इसका समाधान नहीं है ।सरकारें जितना पैसा मुआवजे के रुप में देती है अगर इससे व्यवस्था को सुधारा जाए तो अनमोल जिन्दगियां बच सकती हैं ।हर हादसे के बाद जांच करवाई जाती है जो कुछ समय बाद ठंडे बस्तें में चली जाती है तब तक और हादसा हो जाता है ।रेल हादसों का यह सिलसिला निरंतर बढता ही जा रहा है। पटरियों पर मौत रेंग रही है और सरकारें बहरी बनी हुई हैं ।बढते रेल हादसों पर रेल मत्रालय को मंथन करना चाहिए ताकि यात्री की जान जोखिम में पडे ।लापरवही बरतने वाले चालकों के उपर कानूनी कारवाई करनी चाहिए ।रेलवे को इस घटना से सबक सिखना चाहिए ।अगर अब भी लापरवाही बरती तो आने वाले दिनों में इन घटनाओं में इजाफा हो सकता है और यात्री असमय काल के गाल में समाते रहेंगे वक्त अभी संभलने का है। देश भर में ऐसे हादसे होते रहते है मगर रेलवे प्रशासन कोई सबक नहीं सीखता रेल पटरियों पर होने वाली मौतो से देश का कोई राज्य अछूता नहीं रहा है पटरियों पर मौत के आकडें घटने के बजाए बढ रहे हैं। इतने भयावह हादसों के बाद भी रेल प्रशासन की निंद्रा क्यों नहीं टूट रही है यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है यदि उचित उपाय किए गए होते तो यह हादसे रुक सकते थे लेकिन जब बड़ा हादसा हो जाता है तभी प्रशासन की तन्द्रा टूटती है। यह हादसे नहीं है सरासर हत्याएं है। ऐसी घोर लापरवाही करने वालों को कड़ी सजा देनी चाहिए जिनके कारण कई घरों में मातम छा गया और बच्चे अनाथ हो गये तथा कई माताओं व बहनों के सुहाग उजड गयें।

विचार मंथन

नफरत और अहंकार की लड़ाई वंशजों के बीच

(लेखक - सनत जैन/)

इजरायल, यरूसलम, फिलिस्तीन एक ही भूमि से पैदा हुए वंशजों की जमीन है। यरूसलम से 4000 वर्ष मे यहूदी, ईसाई एवं मुस्लिम धर्म शुरू हुए हैं। तीनों को अब्राहम की संतान के रूप में जाना जाता है। तीनों के बीच जितनी परस्पर घृणा देखने को मिल रही है। वह आश्चर्यचकित करने वाली है। 7 अक्टूबर को हमास ने 5000 रॉकेट इजराइल पर दागे थे। प्रतिक्रिया स्वरूप इजरायल ने भी जिस तरीके से हमास और फिलीस्तीन को जवाब दिया है। उसके मुस्लिम, यहूदी और ईसाई तीनों ही धर्म को मानने वाले जिस तरह से एक दूसरे का नरसंहार कर रहे हैं। उससे पूरी मानवता शर्मसार हो रही है। इन तीनों धर्म को मानने वाले लोगों पर इसका असर देखने को नहीं मिल रहा है। अहंकार और सत्ता की ताकत चरम सीमा पर पहुंचकर, एक दूसरे का जिस तरीके से नरसंहार कर रहे हैं। उसने सारी दुनिया को आश्चर्यचकित और अचंभित करके रख दिया है। इजराइल ने जिस तरह से फिलिस्तीन के गाजा पट्टी में रिहाइसी इलाकों में हमले किए। अस्पतालों में हमले किए। वृद्ध और बच्चों को भी निशाने पर लिया। उससे सारी दुनिया हैरान है। ईसाई और मुस्लिम धर्म बड़ी तेजी के साथ दुनिया में फैले। यहूदी इस मामले में पिछड़ते चले गए। उन्हें बार-बार दर-दर की ठोकरे भी खानी पड़ी। हिटलर का नस्ली नरसंहार यहूदी इतिहास का सबसे ट्रनिंग पॉइंट था। उसे समय भी वैश्विक जनमत शर्मिंदा हुआ था। यहूदियों के प्रति सारी दुनिया में एक करुणा का भाव बना था। 1948 के पहले तक यहूदियों का व्यक्तिगत जीवन नफरत का शिकार था। 1948 के बाद यहूदियों को एक राष्ट्र और राज्य के रूप में जिंदगी जीने का सार्वभौमिक अधिकार मिला। 75 वर्षों के इजरायल का यह सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। इजराइल ने लोकतंत्र, विकास,आधुनिकता, शूरवीरता, निडरता और ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में जो नाम कमाया। उसके कारण इजरायल की सारी दुनिया में एक पहचान बनी। इससे यहूदियों को नए रूप में सारी दुनिया में पहचाना गया। नफरत के स्थान पर एक बडा रुतबा भी इजराइल को मिला। बेंजामिन नेत न्याहू के प्रधानमंत्री बनने के बाद से सत्ता की भूख ने यह प्रमाणित कर दिया है, कि सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाया जा सकता है। अप्रैल 2023 से इजरायली प्रधानमंत्री नेत न्याहू के खिलाफ इजराइल में बगावत का बिगुल बज रहा था। लाखों इजरायली नागरिक सड़कों पर कई दिनों तक आंदोलन करते रहे। उससे निपटने के लिए उन्होंने फिलीस्तीन को अपना निशाना बनाया। इसराइल और फिलीस्तीन के बीच में रिश्ते धीरे-धीरे रास्ते पर आ रहे थे। एक बार फिर उन घावों को ताजा कर कट्टरपंथी सोच में जाकर,सत्ता को बचाए रखने के लिए, जिस तरीके का नरसंहार फिलिस्तीन में किया जा रहा है। उसका सारी दुनिया में विरोध हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने युद्ध विराम की अपील की है। इसका भी इजरायल के ऊपर कोई असर नहीं हो रहा है। जिस तरीके से गाजा पट्टी में अस्पतालों पर हमले किए जा रहे हैं। गाजा पट्टी मे पानी की सप्लाई ईंधन और खाना पानी सब इजराइल ने रोक दिया है। उससे पहली बार इजराइल और यहूदी सारी दुनिया में शर्मसार हो रहे हैं। जिस तरह से वृद्ध और बच्चों की हत्या हो रही है। हजारों लोग इस युद्ध में मारे जा चुके हैं। 25000 से ज्यादा लोग घायल अवस्था में इलाज नहीं मिलने के अभाव में तिल तिल करके दम तोड़ रहे हैं। बिजली, पानी, खाना और ईधन नहीं मिलने के कारण तिल तिल करके मर रहे हैं। सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से मुस्लिम और ईसाई के बीच में धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा हो रहा है। नफरत की आग में यहूदी, मुस्लिम और ईसाई धर्म के मानने वालों के बीच जिस तरीके से नरसंहार हो रहा है। वंश परंपरा में इससे ज्यादा घ्रणित कार्य कोई भी नहीं हो सकता है। मानव की, मानव के प्रति इतनी नफरत शायद इसके पहले कहीं नहीं देखी गई। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद समय में भी रेड क्रॉस जैसी संस्थाएं तथा अस्पतालों को कभी निशान नहीं बनाया गया। जो अब बनाया जा रहा है। इजराइल जिस तरीके की कार्रवाई कर रहा है। उससे एक बार फिर हिटलर युग की याद ताजा हो गई है। गाजा पट्टी का खाना पानी बिजली और स्वास्थ्य सेवाएं समाप्त करके इसराइल क्या साबित करना चाहता है। हमास को यदि उसने बर्बाद कर भी दिया, तो क्या नफरत खत्म हो जाएगी। जो नफरत पूरी दुनिया के देशों में इसराइल को लेकर फैल रही है। उसका नुकसान तो आखिरकार इजराइल को ही उठाना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नेत न्याहू अपने पद को बचाए रखने के लिए इस हद तक चले जाएंगे। ऐसा कभी सोचा भी नहीं जा सकता था। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच जो आग लगी है।

त्योहारी सीजन में सोना 61 हजार और चांदी 72 हजार

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव सोमवार को शुरुआत में तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव अब बढकर 61 हजार और चांदी के वायदा भाव 72 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव 2,000 डॉलर को पार कर चुका है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमएसएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 240 रुपये की तेजी के साथ 61,396 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 213 रुपये की तेजी के साथ 61,369 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 61,396 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 61,320 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 122 रुपये की तेजी के साथ 71,839 रुपये के भाव पर खुला।` फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 604 रुपये की तेजी के साथ 72,321 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,468 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,839 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। वैश्विक बाजार में भी कॉमेक्स पर सोना 2013.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1998.50 डॉलर था। फिलहाल यह 13.30 डॉलर की तेजी के साथ 2011.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.24 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 22.88 डॉलर था।` फिलहाल यह 0.35 डॉलर की तेजी के साथ 23.24 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एलजी की दमदार बैटरी लाइफ के साथ ऑडियो स्पीकर सीरीज लॉन्च

नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने भारत में उन्नत बैटरी लाइफ के साथ एक नई ऑडियो स्पीकर सीरीज एलजी एक्सबूम लॉन्च की। एलजी एक्सबूम में दो मॉडल - एक्सएल 7एस और एक्सएल 5एस शामिल हैं, जो 54,990 रुपये और 44,990 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होंगे। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के होम एंटरटेनमेंट के निदेशक हाक ह्यून किम ने कहा, उत्कृष्ट विशेषताओं, मजबूत ध्वनि और मनमोहक प्रकाश प्रभावों के साथ नई एलजी एक्सबूम सीरीज समारोहों, अवसरों और रोजमर्रा के आनंद लेने वालों के लिए शीर्ष पसंद के रूप में तैयार है। कंपनी के अनुसार, एलजी एक्सबूम में एक्सएल 7एस की बैटरी लाइफ 20 घंटे तक है, जबकि एक्सएल 5एस की बैटरी लाइफ 12 घंटे है, और दोनों स्पीकर में आईपीएक्स 4 वॉटर रेसिस्टेंट रेटिंग है। उपयोगकर्ता कराओके सत्रों के लिए भी स्पीकर का उपयोग कर सकते हैं और यहां तक कि एक गिटार भी कनेक्ट कर सकते हैं और अपने स्वयं के ध्वनिक संगीत कार्यक्रम की मेजबानी कर सकते हैं। यूजर्स एक्सबूम ऐप पर माई पिक सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं। 250 वॉट आउटपुट के साथ, एक्सएल 7एस मॉडल बड़ी सभाओं के लिए बनाया गया है। 20.32 सेमी विशाल वूफर की विशेषता वाला यह स्पीकर अधिक शक्तिशाली बास प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एक गहरी और बोल्ड ध्वनि प्रदान करता है। इसके अलावा, एलजी एक्सबूम एक्सएल 5एस 16.51 सेमी विशाल वूफर के साथ आता है, जो शक्तिशाली बास प्रदान करता है जो किसी भी स्थान के लिए मंच तैयार करता है।कंपनी ने कहा कि स्पीकर डायनेमिक बास ऑप्टिमाइजर से लैस हैं।

स्मार्ट बाज़ार में त्यौहार पर जबरदस्त ऑफर

नई दिल्ली ।

बचत हमेशा भारतीय उपभोक्ता के लिए केंद्रीय आकर्षण रही है। और जब रोजमर्रा की वस्तुओं पर बचत की बात आती है, तो स्मार्ट बाजार इस श्रेणी में अग्रणी है। स्मार्ट बाजार कई श्रेणियों के लिए वन-स्टॉप शॉपिंग गंतव्य है, जिसमें स्टेपल, पैकेज्ड फूड, घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल, फल, सब्जियां शामिल हैं। डेयरी, परिधान, घरेलू सामान, घरेलू साज-सज्जा, छोटे उपकरण, सामान, आदि।

स्मार्ट बाज़ार में जाने से पहले आपको दो बार सोचने की ज़रूरत नहीं है; दिन, सप्ताह के दिन या सप्ताहांत, महीने की शुरुआत या अंत की परवाह किए बिना, आप निश्चिंत हो सकते हैं कि आपको अपनी सभी खरीदारी आवश्यकताओं के लिए सबसे कम कीमत मिलेगी। इससे भी बेहतर, आपको 1999 रु. की खरीदारी पर केवल रु. 9 प्रति किलो के हिसाब से चीनी मिलती है। स्मार्ट बाज़ार ने माधुरी दीक्षित को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया और अपना ब्रांड अभियान, स्मार्ट बाज़ार चलें लॉन्च किया। माधुरी इस ब्रांड के लिए बिल्कुल उपयुक्त थीं, क्योंकि वह अपने विशिष्ट

आकर्षण के साथ ग्राहकों के लिए सापेक्षता का एक नया पहलू लेकर आई थीं।

इस उत्सव में आवश्यक वस्तुएं जैसे स्टेपल, परिधान और उपहार देने वाली वस्तुएं एक ही छत के नीचे सर्वोत्तम कीमतों और अद्भुत ऑफर के साथ उपलब्ध हैं।

रुपया 83.25 पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबल सोमवार को भारतीय रुपया स्पाट स्तर पर कारोबार करने के साथ ही 83.25 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भारतीय मुद्रा सीमित दायरे में कारोबार करती रही। सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। वहीं विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है क्योंकि विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से भी निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया। वहीं इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 83.25 पर खुला और फिर 83.24 के शुरुआती उच्च स्तर और ग्रीनबैक के मुकाबले 83.26 के निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.25 पर बंद हुआ था।

अल्ट्राट्रैक सीमेंट उत्पादन बढ़ाने करेगी 13,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । सीमेंट उत्पादक अल्ट्राटेक ने अपनी बढ़ोतरी के तीसरे चरण में अपनी क्षमता में 2.19 करोड़ टन प्रति वर्ष की बढ़ाने के लिए 13,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक के निदेशक मंडल ने कंपनी की उत्पादन क्षमता के विस्तार के तीसरे चरण पर 13,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसमें चार नई इकाइयां लगाने के अलावा इतनी ही पुरानी इकाइयों का विस्तार भी किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस विस्तार के बाद उसकी कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 18.2 करोड़ टन प्रति वर्ष हो जाएगी। इसकी मौजूदा क्षमता 13.24 करोड़ टन है। दुनिया की तीसरी बड़ी सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक ने कहा कि तीसरे चरण में स्थापित होने वाली नई परियोजनाओं से वाणिज्यिक उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 से शुरू होगा। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि यह निवेश भारत की वृद्धि में अल्ट्राटेक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बीते सात वर्षों में कंपनी ने भारत की ढांचागत जरूरतों को पूरा करने पर 50,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश किया है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 330 , निफ्टी 93 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी दिग्गज कंपनियों की खरीददारी के कारण आया है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस के शेयरों में भारी उछाला आया जिसका लाभ बाजार को मिला। आज के कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में सुधार की प्रक्रिया धीमी रही। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.13 फीसदी और 0.06 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 329.85 अंक करीब 0.52 फीसदी बढ़कर 64,112 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 64,184 तक ऊपर जाने के बाद 63,431 तक फिसला। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 93.65 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी ऊपर आने के बाद अंत में 19,140 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,158 तक ऊपर जाने के बाद 18,940 तक गिरा। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 16 शेयर लाभ के साथ ही उछले। अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। सबसे ज्यादा लाभ अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों को 2.44 फीसदी हुआ।

वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टाटा मोटर्स, मारुति, एक्सिस बैंक, एमएंडएम और आईटीसी सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा मोटर्स के शेयरों को 1.94 फीसदी हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर रुख तथा विदेशी कोषों की सतत निकासी के बीच ही शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 179.06 अंक नीचे आकर 63,603.74 अंक पर आ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 49.26 अंक के नुकसान से 18,998 अंक पर कारोबार कर रहा था।

नीता अंबानी को मिला ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड

- नीता अंबानी ने कहा, देश के छोटे बच्चे सभी के लिए शिक्षा और खेल की सुविधाएं होनी चाहिए

नई दिल्ली ।

रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर एवं चेयरपर्सन नीता अंबानी को ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड दिया गया। यह अवार्ड उन्हें यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा दिल्ली में आयोजित एक समारोह में फोरम के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स ने दिया। इस दौरान भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और बिजनेस लीडर्स उपे स्थित थे। ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड के बाद नीता अंबानी ने कहा कि मैं यह पुरस्कार पाकर बेहद सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रही हूं, रिलायंस फाउंडेशन के रूप में हम भारत में 75 मिलियन लोगों तक पहुंच चुके हैं और जो चीज मेरे दिल के सबसे करीब है, वह है महिलाओं को सशक्त बनाना, उन्हें शिक्षित करना। देश के छोटे बच्चे सभी के लिए शिक्षा और खेल की सुविधाएं होनी चाहिए। प्रत्येक बच्चे को खेलने और सीखने का अधिकार होना चाहिए। हम 40 साल के अंतराल के बाद ओलंपिक आंदोलन को अपने देश में वापस लाए, आईओसी ने क्रिकेट को ओलंपिक खेल बना दिया। उन्होंने कहा कि 128 साल बाद क्रिकेट ओलंपिक में शामिल किया जा रहा है। अमेरिका के लॉस एंजल्स में होने वाले 2028 ओलंपिक में क्रिकेट भी खेला जाएगा। जिस तहर से क्रिकेट को अमेरिका तक ले जा रहा है, हम भी भारत में बेसबॉल ला सकते हैं। खेलों का आदान-प्रदान सपनों और दोस्ती का आदान-प्रदान है। यह दृढ़ता और लचीलेपन दोनों की कहानी है। लीडरशिप अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान मंच पर नीता अंबानी के साथ युवा बैडमिंटन सनसनी सायना नेहवाल भी मौजूद रहीं। बता दें कि भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ियों में सायना का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इनके बाद अब पीवी सिंधु समेत कई युवा हैं जो युवा महिला खिलाड़ियों को प्रेरित कर रही हैं।

10 साल बाद टर्किश एयरलाइंस ने श्रीलंका के लिए शुरू की सीधी उड़ान

कोलंबो। एयरपोर्ट एंड एविएशन सर्विसेज श्रीलंका लिमिटेड के अध्यक्ष जी.ए. चंद्रसिरी ने कहा, एक दशक के बाद टर्किश एयरलाइंस ने श्रीलंका और इस्तांबुल के बीच सीधी उड़ानें शुरू कर दी हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की विमान के श्रीलंका पहुंचने के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चंद्रसिरी ने कहा कि दोनों देशों के बीच सप्ताह में चार उड़ानें संचालित होंगी। उन्होंने कहा, 2024 से तुर्की एयरलाइंस की उड़ानें सप्ताह के सभी सातों दिन श्रीलंका पहुंचेंगी। तुर्की से यात्रियों की संख्या अब 300 प्रतिशत बढ़ जाएगी। श्रीलंका के पर्यटन और भूमि मंत्री हरिन फर्नांडो ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीलंका 2024 में 2.5 मिलियन पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना बना रहा है। श्रीलंका के पर्यटन उद्योग का लक्ष्य 2023 में 2 मिलियन पर्यटकों को आकर्षित करने का है, जबकि पिछला लक्ष्य 1.5 मिलियन का था।

सरकार ने प्याज निर्यात पर लगाया अंकुश,तय किया एमईपी

निर्यात किए जाने वाले प्याज का एमईपी 31 दिसंबर, 2023 तक 800 डॉलर प्रति टन

नई दिल्ली ।

सरकार ने घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए शनिवार को इस प्रमुख सब्जी के निर्यात पर 31 दिसंबर तक 800 डॉलर प्रति टन (67 रुपये प्रति किलोग्राम) का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) तय कर दिया। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा` कि विदेश भेजे जाने वाले प्याज का एमईपी 31 दिसंबर, 2023 तक 800 डॉलर प्रति टन किया जाता है। सरकार ने यह कदम प्याज की बढ़ती कीमतों को देखते हुए उठाया है। कम आपूर्ति के कारण राष्ट्रीय राजधानी के खुदरा बाजार में प्याज की कीमतें बढ़कर 65-80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लगभग 400 सफल खुदरा स्टोर वाली मदर डेयरी 67 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खुला प्याज बेच रही है। वहीं ई-कॉमर्स पोर्टल बिगबास्केट पर यह 67 रुपये प्रति किलो और ओटिपी पर 70 रुपये प्रति किलो की दर पर है। स्थानीय विक्रेता 80 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज बेच रहे हैं। दिल्ली के कुछ इलाकों में प्याज की कीमतें 90 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। मंडी में विक्रेताओं का कहना है कि इसमें आगे 15-20 दिन अभी और तेजी जारी रहेगी। जानकारों की मानें तो प्याज की कीमतें 100 रुपये से ऊपर निकल सकती हैं। दिल्ली की आजादपुर मंडी में प्याज 65 रुपये किलोग्राम तक मिल रहा है। विक्रेता और खरीदारों के मुताबिक प्याज की कीमत में हर दिन तेजी हो रही है। उधर सरकार ने प्याज की कीमतों पर लगाम के लिए बफर स्टॉक से प्याज निकालना शुरू कर दिया है। प्याज की कीमतों में कमी की वजह असमान्य बरसात को बताया जा रहा है। कुछ इलाकों में

बरसात बहुत अधिक हो जाने व कुछ इलाकों में बेहद कम बरसात होने से फसलें खराब हुई हैं। कर्नाटक में प्याज की फसलों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा है। प्याज की आवक के कम हो जाने व त्योहारों के सीजन में मांग बढ़ जाने के कारण कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल रहा है।

विस्तारा ने हांगकांग के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू की

नई दिल्ली।

विस्तारा एयरलाइंस ने दिल्ली और हांगकांग के बीच रोजाना नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू की हैं। एयरलाइन के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। विस्तारा का ए321नियो विमान रविवार को रात 9.05 बजे इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से शुरू हुई और सोमवार को हांगकांग अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, ÷रूट पर ए321नियो विमान अपनी असाधारण विशेषताओं के लिए जाना जाता है, जिसमें बिजनेस क्लास में फ्लैट बेड के साथ आरामदायक बैठने की व्यवस्था, आंतरिक सज्जा, इन-फ्लाइट वायरलेस कनेक्टिविटी और एक अत्याधुनिक मनोरंजन सिस्टम विथ लाइव टीवी शामिल है। विस्तारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद कन्नन ने कहा कि हांगकांग के लिए सीधी कनेक्टिविटी की शुरुआत हमारे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को लगातार बढ़ाने की रणनीति के अनुरूप है। कन्नन ने कहा, हांगकांग दुनिया के शीर्ष

वाणिज्यिक केंद्रों में से एक है। यह एक पॉपुलर लीजर डेस्टिनेशन के अलावा, भारत से बहुत सारे व्यवसाय और वीएफआर यात्रा को आकर्षित करता है। हमें इस मार्ग पर यात्रा करने वाले ग्राहकों को बेहतरीन एयरलाइन में उड़ान भरने का विकल्प प्रदान करते हुए खुशी हो रही है और हमें विश्वास है कि वे हमारे विश्व स्तरीय उसेवाओं की सराहना करेंगे।

आरबीआई ने नियमों के उल्लंघन पर गुजरात के 3 बैंकों पर जुर्माना लगाया

मुंबई।

आरबीआई ने अपने परिचालन के संचालन में आधिकारिक मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए गुजरात में तीन सहकारी बैंकों पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है।प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों (यूसीबी) द्वारा अन्य बैंकों में जमा राशि रखने पर जारी आरबीआई के निर्देशों के उल्लंघन के लिए उमा को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, वडोदरा पर 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई द्वारा किए गए बैंक के वैधानिक निरीक्षण से पता चला कि बैंक ने निर्धारित अंतर-बैंक प्रतिपक्ष जोखिम सीमा का उल्लंघन किया था और निर्धारित अंतर-बैंक सकल एक्सपोज़र सीमा का भी उल्लंघन किया। नतीजतन, बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। आरबीआई ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, ÷नोटिस पर बैंक के जवाब और व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान मौखिक प्रस्तुतियों पर विचार करने के बाद आरबीआई इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि आरबीआई के उपरोक्त निर्देशों का पालन न करने का आरोप प्रमाणित हुआ और बैंक पर मौद्रिक जुर्माना लगाना जरूरी हो गया।इसी तरह, आरबीआई ने निदेशकों, रिश्तेदारों और फर्मों/संस्थाओं को ऋण और अग्रिम पर अपने निर्देशों का पालन न करने के कारण गुजरात के बनासकांठा में शिहोरी नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।आरबीआई ने नो योर कस्टमर (केवाईसी) मानदंडों से संबंधित निर्देशों का पालन न करने के लिए खेड़ा जिले में पिज पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, पिज पर 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बैंक के वैधानिक निरीक्षण से पता चला कि वह खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने में विफल रहा है। आरबीआई ने यह भी कहा कि ये कार्रवाइयां विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित थीं और बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर फैसला देने का इरादा नहीं था।

इजराइल-हमास संघर्ष गहराने से कच्चे तेल की कीमतें फिर गिरीं

लंदन।

गाजा में अपने सैन्य अभियानों का विस्तार करने के इजरायल के कदम से क्षेत्रीय संघर्ष बढ़ने की आशंका में कच्चे तेल की कीमतें सोमवार को फिर से गिर गईं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि युद्ध की विस्तार होने पर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वैश्विक कच्चा तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.2 प्रतिशत गिरकर 89 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.3 प्रतिशत टूटकर 84 डॉलर प्रति बैरल बोला गया। पिछले सप्ताह ब्रेंट में 1.8 फीसदी और डब्ल्यूटीआई में 3.6 फीसदी की गिरावट आई थी।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, हरग्रीव्स लैंसडाउन में धन और बाजार प्रमुख सुज़ाना स्ट्रीटर ने सोमवार को लिखा कि हालांकि युद्ध के क्षेत्रीय विस्तार के जोखिम अभी भी स्पष्ट रूप से मौजूद हैं, लेकिन गाजा में जमीनी हमले की व्यापक रूप से उम्मीद की गई थी। उन्होंने कहा, हालांकि आपूर्ति संबंधी चिंताएं अभी भी बनी हुई हैं, जिससे तेल की कीमतों में गिरावट सीमित है, लेकिन आगे चलकर (वैश्विक) विकास दर में गिरावट की चिंताओं के कारण कमजोर मांग से तेल की कीमतों में गिरावट आई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी में तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में गिरावट के आंकड़े आने के बाद वैश्विक आर्थिक विकास के बारे में चिंताएं फिर से उजागर हो गई हैं और उपभोक्ताओं ने खर्च पर लगाम लगा दी है। विश्व बैंक ने कहा कि गाजा में लड़ाई तेज होने से तेल बाजार सहित वैश्विक कमोडिटी बाजार अज्ञात संकट में जा सकते हैं। उसने तीन ऐसे परिदृश्य बताये हैं जिनमें तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

विश्वकप : बांग्लादेश के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगा पाकिस्तान

कोलकाता (एजेंसी)। विश्वकप में मंगलवार को पाकिस्तान का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। दक्षिण अफ्रीका से पिछले मुकाबले में मिली हार के बाद ही पाक सेमीफाइनल से तकरीबन बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार बांग्लादेश को हराकर लय हासिल करने के साथ ही कुछ अंक हासिल करना रहेगा। इस मैच में पाक टीम जीत की दावेदार नजर आती है क्योंकि बांग्लादेश का प्रदर्शन अब तक इस टूर्नामेंट में उससे भी बेकार रहा है और उसके केवल दो अंक ही हैं। वहीं पाक के अब तक चार अंक हैं और ऐसे में वह अब बचे हुए तीन मैच जीतकर अधिकतम छह अंक और हासिल करना चाहेगा है जिससे लीग चरण के बाद उसके अधिकतम 10 अंक हो सकते हैं जिससे उसकी आगे जाने की कुछ संभावनाएं बनें। दो टीम पहले ही 10 या इससे अधिक अंक हासिल कर चुकी है। इसके अलावा तीन और टीमें पाक से आगे हैं जिससे उसके लिए सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद कठिन है।

वहीं धीमी शुरुआत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने लगातार जीत के साथ वापसी की है। इसके अलावा न्यूजीलैंड की टीम भी जबरदस्त फार्म में है। भारत 12 अंक के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया है जबकि चुका दक्षिण अफ्रीका के 10 अंक हैं। ऐसे में पाक न केवल अपने बाकी बचे तीनों मैच जीतने होंगे बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी जिससे उसका नेट रन रेट भी बेहतर बने जो अभी माइनस 0.205 है।

बांग्लादेश के खिलाफ अगर ये मैच पाक हारता है तो उसकी बची हुई सभी संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में पाक टीम अपनी ओर से पूरी ताकत लगा देगी। पाक के बल्लेबाज और गेंदबाज अभी तक उम्मीद के अनुसर प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। उसके बल्लेबाज छह में से चार मैच में पूरे ओवर भी नहीं खेल पाये। अब ईडन गार्डन्स की तेज गेंदबाजी की मददगार पिच पर पाकिस्तान को उम्मीद होगी कि शाहीन शाह अफरीदी, हारिस राउफ और मोहम्मद वसीम बांग्लादेश के खिलाफ उसे अच्छी सफलताएं दिलाएंगे। पाकिस्तान के

लिए सबसे राहत की बात मोहम्मद वसीम जूनियर का प्रदर्शन रहा है जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बीमार हसन अली की जगह उतरे और विश्व कप में पदार्पण किया। वसीम ने 62 रन देकर दो विकेट लिए इसके साथ ही डेथ ओवरों में उन्होंने केशव महाराज पर काफी दबाव बनाया था। वसीम के टीम में अपनी जगह बनाए रखने की उम्मीद है क्योंकि पाकिस्तान टूर्नामेंट में बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगा।

पाक के लिए सबसे बड़ी परेशानी उसकी खराब बल्लेबाजी रही है। उसके बल्लेबाज चार मैचों में पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाये। यहां तक कि कप्तान बाबर आजम भी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदल नहीं पाये। बाबर ने अब तक तीन अर्धशतक जड़े हैं और बांग्लादेश के खिलाफ उनकी नजरें बड़े शतक पर होंगी। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश टीम भी अब तक इस टूर्नामेंट में अफसल रही है। कप्तान शाकिब अल हसन सहित सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। नीदरलैंड के खिलाफ पिछले मैच में भी उसे हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में टीम के शीर्ष छह बल्लेबाजों में से चार ही दो अंकों तक दोहरे अंक में भी पहुंचने में नाकाम रहे जिससे 230 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 142 रन ही बना पायी। बांग्लादेश की टीम लगातार पांच मैच हार चुकी है और उसके केवल दो अंक हैं। ऐसे में पाक को इस मुकाबले में जीत का प्रबल दावेदार माना जा सकता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तान = बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, इमाम-उल-हक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद वसीम जूनियर, हसन अली, उसामा मीर

बांग्लादेश = शाकिब अल हसन (कप्तान), तंज़ीद हसन, लिटन दास, नजमुल हुसैन शान्तो, मुशिफकुर रहीम (विकेटकीपर), महमूदुल्लाह, मेहदी हसन मिराज, महेदी हसन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम।

निशानेबाज अनीष भानवाला ने भारत को 12वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया, कांस्य पदक जीता

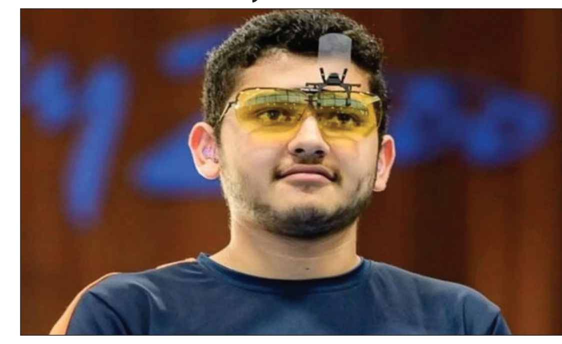

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अनीष भानवाला ने सोमवार को कोरिया के चांगवान में चल रही एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को निशानेबाजी में 12वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया। अनीष भानवाला शूटआउट में जापान के दाई योशिओका से हार गए जिन्होंने रजत पदक जीता।

करनाल के 21 साल के निशानेबाज ने फाइनल में 28 निशाने लगाए थे। स्थानीय प्रबल दावेदार निशानेबाज ली गुनहियोक ने स्वर्ण पदक जीता। अनीष भानवाला ने फाइनल में पहुंचते ही पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया था क्योंकि चीन, जापान और कोरिया पहले ही इस स्पर्धा में दो दो ओलंपिक कोटे हासिल कर चुके थे। भानवाला के अलावा फाइनल में पहुंचने वाले अन्य निशानेबाज चीन, जापान और कोरिया के थे। भानवाला क्वालीफिकेशन चरण में 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे थे।

एक अन्य भारतीय भावेश शेखावत 584 अंक से क्वालीफिकेशन में शीर्ष आठ में शामिल थे लेकिन फाइनल में नहीं पहुंच सके क्योंकि वह केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे और फाइनल में पहुंचने के लिए योग्य नहीं थे।

पंड्या अब सेमीफाइनल में ही वापसी करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अपनी चोट से उबर रहे हैं और अब उनके सीधे सेमीफाइनल में ही खेलने की उम्मीद है। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ जीत के साथ ही पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है जिससे अब टीम के लिए लीग के अगले मुकाबले औपचारिक ही हैं। पंड्या ने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। टीम इंडिया को अगला मुकाबला 2 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेलना है पर उसमें पंड्या की जगह पर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ही खेलेंगे। टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच गई है। ऐसे में टीम प्रबंधन पंड्या को लेकर कोई जल्दी नहीं करना चाहता। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक पंड्या सेमीफाइनल में खेलते हुए दिख सकते हैं। वह अभी बेंगलुरु स्थित एनसीए में उबर रहे हैं। पंड्या बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी एड़ी में दर्द है। पंड्या ने एनसीए में कई नेट सत्र में भी भाग लिया। इस दौरान

बीसीसीआई की मेडिकल टीम की उनपर नजरें बनी हुई हैं। इस समय पंड्या को यात्रा के लिए नहीं कहा जा सकता। वह अभी बेंगलुरु में हैं और वहीं से टीम से दोबारा जुड़ सकते हैं। पंड्या के बाहर होने के बाद से टीम इंडिया सिर्फ 5 ही गेंदबाजों के साथ उतर रही है। हालांकि अब तक इसका अधिक असर नहीं दिखा है. लेकिन उनकी वापसी से टीम संयोजन में फिर से बदलाव होना तय है। अभी पक्के तौर पर पंड्या के मैदान पर वापसी की तारीख नहीं बताई जा सकती पर वह तेजी से उबर रहे हैं। सेमीफाइनल के लिए समय है। ऐसे में उन्हें उबरने के लिए और अधिक समय मिल जाएगा। ऐसे में वे नॉकआउट के मुकाबले के दौरान वापसी कर सकते हैं।

वनडे विश्व कप: नाथन लायन ने की भविष्यवाणी, भारत और इस टीम के बीच होगा फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर नाथन लायन ने वनडे विश्व कप 2023 में फाइनल मैच को लेकर भविष्यवाणी की है। लायन का मानना है कि पुराने प्रतिद्वंद्वी पांच बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और दो बार के विजेता भारत के बीच 19 नवंबर को अहमदाबाद में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में होगा। दोनों टीमों ने सप्ताहांत में लगातार जीत दर्ज की है जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच रन से जबकि भारत ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अगले दिन इंग्लैंड पर 100 रन के अंतर से जीत हासिल की।

लायन ने कहा, 'मैं ईमानदारी से मानता हूं कि यह ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत फाइनल होगा। लायन ने कहा, 'भारत मेरे लिए नंबर एक (पसंदीदा) है (और) इसे देखना रोमांचक है। ऐसा कहा जा रहा है, मुझे लगता है कि शक्तिशाली बल्लेबाजी लाइनअप के साथ दक्षिण अफ्रीका अभी भी एक खतरनाक टीम है। आपको बस उनके तीसरे नंबर पर रासी वैन डेर डुसेन, एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन और फिर डेविड मिलर को देखना होगा।'

लियोन ने आगे कहा कि भारत पर भी दबाव है क्योंकि पूरे देश की उनसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने की उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, 'भारत पर पूरे देश का दबाव

है जो उनसे जीत की उम्मीद कर रहे हैं और उनके प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के पास बोर्ड पर रन हैं इसलिए उम्मीद है कि वे सभी तरह से आगे बढ़ सकते हैं।'

अब तक, घरेलू टीम भारत छह मैचों में प्रत्येक में जीत के साथ शीर्ष पर है, दक्षिण अफ्रीका पांच जीत और हार के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों के नाम चार जीत और दो हार हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण कीवी टीम ऑस्ट्रेलिया से उपर है।

इंजमाम उल हक ने दिया पीसीबी चीफ सिलेक्टर पद से इस्तीफा

क्रिकेट विश्व कप 2023 में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अनुभवी पाकिस्तानी क्रिकेटर इंजमाम उल हक ने टीम के मुख्य चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दे दिया है। इंजमाम उल हक को खिलाड़ी एजेंट तल्हा रहमानी से जुड़ी कंपनी याजो इंटरनेशनल लिमिटेड में उनकी हिस्सेदारी के आरोपों के कारण भी जांच का सामना करना पड़ रहा है। रहमानी बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी सहित कई प्रमुख पाकिस्तानी क्रिकेटरों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इससे हितों के टकराव का मामला बन गया है।

इसके अलावा यह भी जांच का विषय बन गया है कि क्या टॉप क्रिकेटरों का प्रतिनिधित्व करने वाली कंपनी में मुख्य चयनकर्ता और शेयरधारक के रूप में इंजमाम की दोहरी भूमिकाएं खिलाड़ी चयन निर्णयों को प्रभावित कर रही हैं या नहीं। उक्त विवाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और खिलाड़ियों के बीच केंद्रीय अनुबंधों को लेकर महत्वपूर्ण असहमति के बाद सामने आया है।

एनसीए में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग पर भी काफी ध्यान दिया : राहुल

लखनऊ । विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने इस बार सर्जरी के बाद वापसी करते हुए अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। राहुल ने फिटनेस हासिल करने के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में जमकर अभ्यास किया। राहुल को इंडियन प्रीमियर लीग में जांघ की मांसपेशियों में गंभीर चोट लगी थी। इस चोट से उबरने के लिए सर्जरी की आवश्यकता थी और इसने शारीरिक और मानसिक रूप से राहुल पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला। अब राहुल ने उस दौर को याद किया, जिसने उन्हें एक मजबूत इंसान बनाया था। उन्होंने कहा कि फिट होने की प्रक्रिया के दौरान, मैंने अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग पर भी काफी ध्यान दिया था। एनसीए की मेडिकल टीम को लगा, जिस तरह की चोट मुझे लगी थी, उसमें ज्यादा विकेटकीपिंग करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि मैंने इस दौरान अपनी फिटनेस और विकेटकीपिंग पर ज्यादा ध्यान दिया। इसके बाद बल्लेबाजी का नंबर आया। मैंने विकेटकीपिंग में काफी समय बिताया है। मुझे लगता है कि इसके लिए मेरी ओर से थोड़ा और समय और प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी अन्य कौशल की तरह ही सरल है। जितना अधिक आप इस पर काम करेंगे, आपके पास अच्छा प्रदर्शन करने का उतना बेहतर मौका होगा। मैं विकेटकीपिंग को गंभीरता से ले रहा हूं क्योंकि भारत में इन परिस्थितियों में यह काफी महत्वपूर्ण चीज है।

गंभीर ने इंग्लैंड के खराब प्रदर्शन के लिए रुट को जिम्मेदार बताया

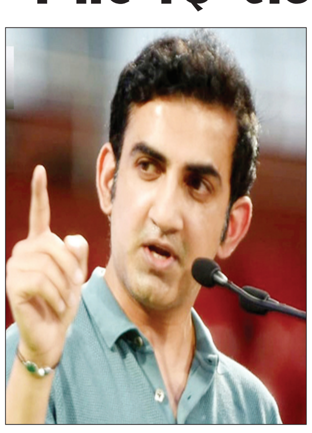

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने एकदिवसीय विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज जो रूट के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड की पूरी बल्लेबाज रूट के इर्द-गिर्द घूमती है और जब वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करते हैं तो टीम की बल्लेबाजी ढ़ह जाती है। गंभीर ने ये बात इंग्लैंड की भारत के खिलाफ हार के बाद कही है। गंभीर ने कहा, अगर आप इंग्लैंड की बल्लेबाजी लाइनअप को देखें, तो जो रूट के अलावा बाकी सभी लोग आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। यह जो रूट का खराब फॉर्म है जो इस बल्लेबाजी लाइनअप के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदेह साबित हुआ है। उनके विफल होने से पूरी टीम लड़खड़ा गयी। उन्होंने कहा कि रूट को एंकर की भूमिका निभानी चाहिए थी जिससे अन्य खिलाड़ी अपने अनुसार खेल सकें पर वह विफल रहे। रूट भारत के खिलाफ मैच में खाता भी नहीं खोल पाये थे। गंभीर ने कहा, वह वह एंकर था जो एक छोर से बल्लेबाजी कर सकता था और बाकी लोग वास्तव में उस तरह से खेल सकते थे जैसा वे चाहते थे। जिस क्षण रूट ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, हर कोई विफल हो गया। बहुत से लोगों में सीमिंग और स्विंग होती गेंदों के खिलाफ खेलने के दबाव को झेलने की क्षमता नहीं होती है। रूट ने इस टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते हुए न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक बनाए थे पर उसके बाद से ही वह रन नहीं बना पाये हैं। उन्होंने छह मैचों में 29.16 की औसत और 93.08 की स्ट्राइक रेट से कुल 175 रन ही बनाए हैं। टीम अभी दो अंकों और -1.652 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे हैं।

लियोन फुटबॉल टीम की बस पर हमले के बाद फ्रेंच लीग मैच स्थगित, 9 लोग हिरासत में

पेरिस । फ्रांस की पुलिस ने लियोन फुटबॉल टीम और प्रशंसकों को लेकर जा रही बसों पर हिंसक हमले के बाद नौ लोगों को हिरासत में लिया है और अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। इस हमले में ल्योन टीम के कोच फैबियो ग्रोसो के सिर में चोट लग गयी जिसके बाद मार्सेले में फ्रेंच लीग का मैच स्थगित कर दिया गया। फ्रांस के मंत्री गेराल्ड डरमानिन ने बीएफएम टीवी पर कहा कि रविवार को रात हुए इस हमले में पांच पुलिस अधिकारी भी घायल हो गये। यह घटना वेलोड्रोम स्टेडियम के बाहर हुई जिसमें 'प्रोजेक्टाइल' से हमला किया गया और बस की खिड़कियां टूट गईं। कांच के टुकड़ों से कोच ग्रोसो घायल हो गये और उनके चेहरे से खून बहने लगा। क्लब के सहायक कोच राफाएल लोंगो भी इस दौरान घायल हो गए। ग्रोसो की आंख के ऊपर गहरी चोट आई है जिस पर टांके लगाये गए। हालांकि नौ बार की चैम्पियन टीम के खिलाफ अनुशासनात्मक प्रतिबंध लगाने की संभावना नहीं है क्योंकि यह घटना स्टेडियम के बाहर हुई थी।

सूर्यकुमार के शानदार प्रदर्शन से हार्दिक की वापसी पर श्रेयस हो सकते है अंतिम एकादश से बाहर

मुम्बई (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा विश्व कप मैच में मुश्किल परिस्थितियों में शानदार बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार यादव टीम में हरफनमौला हार्दिक पंड्या की वापसी के बाद अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं जबकि पिछले कुछ मैचों में बल्ले से अच्छा नहीं कर पा रहे श्रेयस यादव को अंतिम एकादश से बाहर होना पड़ सकता है। सूर्यकुमार के कौशल और मजबूत मानसिकता पर किसी को संदेह नहीं है लेकिन टी20 प्रारूप ने अपनी धाकड़ बल्लेबाजी से धाक जमाने वाले इस बल्लेबाज ने लंबे समय तक एकदिवसीय में निराश किया है। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम जब मुश्किल परिस्थिति में थी तब मुंबई के इस बल्लेबाज ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ धैर्य से बल्लेबाजी कर अपने बदले हुए रुख का परिचय दिया। उन्होंने बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में 47 गेंद में 49 रन की पारी खेल अंतिम एकादश में अपनी जगह मजबूत की। सूर्यकुमार की इस पारी ने श्रेयस के लिए खतरे

की घंटी बजा दी है। हार्दिक टखने की चोट से उबर कर विश्व कप के आखिरी कुछ मैचों में वापसी कर सकते हैं। भारतीय टीम के पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने कहा, '' हम सभी जानते हैं कि सूर्या टी20 में क्या कर सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में अच्छी बात यह रही कि उन्होंने स्थिति को समझा और रोहित की मौजूदगी में सहायक बल्लेबाज की भूमिका निभाई। परिस्थितियों के मुताबिक उनकी बल्लेबाजी शीर्ष स्तर की थी। उन्होंने स्क्वायर के पीछे अपना पसंदीदा पिक-अप शॉट तभी खेला जब उन्हें पता था कि अब आक्रमण करने का समय है।'' भारत के लिए चार एकदिवसीय खेलने वाले परांजपे ने कहा, '' इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों का डटकर सामना किया। हार्दिक की टीम में वापसी पर लोकेश राहुल चौथे क्रम पर श्रेयस की जगह बल्लेबाजी कर सकते हैं।'' सूर्यकुमार को मैदान के चारों ओर सहजता से बड़े शॉट खेलने के लिए जाना जाता है। वनडे क्रिकेट में उन पर स्ट्राइक रोटेट (दौड़ कर रन बनाने) करने में विफल रहने का आरोप लगता रहा है लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 19 बार एक रन चुराये। भारत के पूर्व विकेटकीपर और कमेंटेटर दीप दास गुप्ता ने कहा, '' वह आकलन करने में सफल रहा था कि इस पिच पर 280 से आस-पास का स्कोर खड़ा करना मुश्किल होगा और प्रतिद्वंद्वी टीम को चुनौती देने के लिए 240 रन काफी होंगे।

बाबर का व्हाट्सऐप मैसेज लीक कर विवादों में आये पीसीबी प्रमुख अशरफ

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम जहां भारत में जारी एकदिवसीय विश्वकप के सेमीफाइनल से तकरीबन बाहर हो गयी है। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में भी सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसका अंदाजा इसी से हो है कि क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन जका अशरफ ने कप्तान बाबर आजम के भेजे व्हाट्सऐप मैसेज को लीक कर दिया। अशरफ ने ऐसा पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ के उन पर लगाए आरोपों का जवाब देते हुए किया। लतीफ ने कहा था कि अशरफ कप्तान के भेजे संदेशों का जवाब नहीं दे रहे। पीसीबी प्रमुख के इस प्रकार व्हाट्सऐप मैसेज लीक करने से इस मामले में विवाद बढ़ने की उम्मीद है। अभी नहीं पता चला है कि बाबर ने उन्हें लाइव टीवी शो पर अपने निजी मैसेज शेयर करने की इजाजत दी थी या नहीं। अगर बाबर ने ऐसा नहीं किया है तो फिर ये गोपनीयता के उल्लंघन का गंभीर मामला बन सकता है। लतीफ ने हाल ही में कहा था कि बाबर ने अशरफ को कॉल और मैसेज किए थे पर उन्होंने जवाब नहीं दिया था। इन्हीं आरोपों पर अशरफ ने एक साक्षात्कार में अपना पक्ष रखा। उन्होंने अपने ऊपर लगाए लतीफ के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बाबर ने उनसे सीधे बात करने की कोशिश ही नहीं की। पीसीबी चीफ ने कहा, वो लतीफ कह रहे कि मैंने बाबर का फोन नहीं उठाया पर असलियत तो ये है कि बाबर ने उन्हें फोन ही नहीं किया था। वैसे भी कप्तान टीम डायरेक्टर या फिर पीसीबी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर से बात करता है। ऐसे में बाबर उन्हें फोन कर भी नहीं सकते थे। अशरफ ने अपनी बात को सही साबित करने के लिए आजम के व्हाट्सऐप मैसेज शेयर किया। ये बातचीत बाबर और पीसीबी के एक अधिकारी सलमान नसीर के बीच हुई थी, जिसे लाइव टीवी शो में भी दिखाया गया। पीसीबी चेयरमैन के ऐसा करने की वजह बस यही थी कि वो ये साबित करना चाहते थे कि बाबर ने उन्हें न तो फोन किया और न ही उनका कोई मैसेज आया।

अकरम ने बुमराह को विश्व का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया

-नई गेंद पर उनका नियंत्रण मेरे से भी बेहतर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभी वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। अकरम के अलवा पाक के ही दिग्गज क्रिकेटर मिस्बाह उल हक ने भी इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी के लिए बुमराह और मोहम्मद शमी की जमकर सराहना की है। बुमराह और शमी दोनो ने ही इंग्लैंड के खिलाफ लखनऊ में हुए विश्वकप लीग मैच में तीन और चार विकेट लिए थे। कुल मिलाकर सात विकेट लिए थे। 7 विकेट लिए थे. दोनों ने नई गेंद से कमाल की गेंदबाजी की थी और इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ढ़हा दिया।

अकरम ने बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए कहा, अभी बुमराह फिलहाल, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज होने के कारण नंबर एक पर हैं। उनके पास अच्छा नियंत्रण है। इसके साथ ही उनकी गेंदों में विविधता के साथ ही तेजी भी है। वह एक प्रकार से पूर्ण गेंदबाज हैं। उन्हें गेंदबाजी करते देखना अच्छा लगता है। नई गेंद के साथ, इस तरह के विकेट पर ऐसा मूवमेंट हासिल करना साथ में रफ्तार, शानदार फॉलोथ्रू होना एक संपूर्ण गेंदबाज की निशानी हैं। अकरम ने तो यहां तक कहा कि नई गेंद से बुमराह के पास जो नियंत्रण है, वो मेरे से भी अच्छा है। अकरम बुमराह के इतने खतरनाक गेंदबाज होने के कारण भी बताये हैं। अकरम के अनुसार, जब बुमराह राउंड द विकेट बाएं हाथ के बल्लेबाज को गेंदबाजी कर रहे हैं और गेंद को सीम पर हिट करते हैं और जब वह क्रीज के बाहर से गेंदबाजी करते हैं, तो बल्लेबाज को लगता है कि गेंद अंदर की तरफ आ रही है। ऐसे में बल्लेबाज उसी हिसाब से शॉट खेलता है लेकिन गेंद पिच पर पड़ने के बाद अंदर आने के बजाए बाहर की तरफ जाती है और अधिकतर मौकों पर बल्लेबाज या तो बीट होता है या विकेट खोता है। अकरम ने अपनी गेंदबाजी की बात करते हुए कहा, जब मैं नई गेंद से दाएं हाथ के बल्लेबाजों को इस तरह की आउटस्विंगर करता था, तो कभी-कभी मैं गेंद पर नियंत्रण भी नहीं रख पाता था पर नई गेंद पर बुमराह का नियंत्रण निश्चित रूप से मुझसे बेहतर है। वो नई गेंद से जिस लेंथ पर बॉलिंग करते हैं, उससे बल्लेबाजों के मन में हमेशा संदेह बना रहता है।

अकमल बोले अगले मैच भी हार जाये तो भी होगा पाक क्रिकेट में सुधार

लाहौर । विश्वकप में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर जहां पूर्व क्रिकेटर टीम की आलोचना कर रहे हैं। वहीं पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि अगर टीम को फिर से बेहतर होना है तो कप्तान बाबर आजम और उनकी टीम को विश्व कप में अपने बचे हुए मैच भी हार जायें। अकमल बोले, तभी पाक क्रिकेट में सुधार होगा जब नये सिरे से शुरुआत होगी एक दो मैच में जीतने के बाद फिर टीम पुराने तरीके से चलने लगेगी।

श्रृंगार आपके व्यक्तित्व में लगाए

चार चांद

शादियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में सजने-संवरने की आकांक्षा को पंख लग ही जाते हैं। कुछ बातों का ध्यान रख कर आप ऐसे मौसम में अपनी खूबसूरती को और निखार सकती हैं। पारंपरिक श्रृंगार आपके रूप-रंग में चार-चांद लगा देते हैं। यदि आप भी पारंपरिक रंग में अपने आप को रंगने की सोच रही हैं तो ऐसे मौके पर लहंगा, साड़ी या सूट को अपने लिए चुन सकती हैं।

परफेक्ट शुरुआत के लिए सबसे पहले फेस प्राइमर लगाएं। इसे लगाने से चेहरे की छोटी-छोटी खामियां जैसे फाइन लाइन्स, ओपन पोर्स और पिट्स भर जाएंगे और मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहेगा। सर्दियों के इस मौसम में बेस ऐसा हो, जो आपकी त्वचा को फ्लॉलैस लुक देने के साथ-साथ उसे मॉइश्चराइज भी करें। ऐसे में फाउंडेशन के तौर पर टिंटिड मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे त्वचा मुलायम हो जाएगी और ग्लोइंग नजर आएगी। त्वचा पर यदि कोई एक्ने या स्कॉर्स है तो उसे कंसीलर की मदद से कंसील कर लें।

अपनी त्वचा टोन से मैच करता ब्लशऑन लगाएं। जैसे गोरे मुखड़े पर पिंक कलर का ब्लशऑन इस्तेमाल करें और यदि सांवली हैं तो आप पर पीच शेड का ब्लशर बहुत अच्छा लगेगा। नाक के दोनों साइड, चीक्स बोंस और डबल चिन को छुपाने के लिए डार्क ब्राउन शेड के ब्लशऑन से कॉन्टोरिंग कर लें। इससे आपका फेस पतला नजर आएगा। चीक्स बोन्स पर हाइलाइटर जरूर इस्तेमाल करें।

इन दिनों ऑरेंज, रेड और वाइन शेड काफी चलन में हैं। अपनी आंखों को इन शेड्स से सजाएं और आईब्रोज के नीचे वनीला शेड से हाइलाइट करें। ये इस मौसम में और भी खूबसूरत लगेंगे। इसलिए आई-मेकअप करते वक्त इन्हें जरूर शामिल करें। अपनी आंखों को ब्लैक जैल आइलाइनर से खूबसूरत शेप दें और आंखों में काजल जरूर लगाएं।

इस मौके पर आंखों के आउटर या इनर कॉर्नर पर स्वरोस्की का इस्तेमाल करने से आई-मेकअप और भी खूबसूरती से उभर कर आएगा। पलकों पर मसकारा का डबल कोट लगाकर उन्हें लंबा व खूबसूरत दिखाएं।

लिप्स का पूरा ध्यान रखें

आंखों पर डार्क मेकअप करने के बाद लिप्स पर ब्रॉन्ज या रस्ट शेड की लिपस्टिक लगाएं। इसके बाद लिप सीलर से लिप्स को सील कर दें। इसे लगाने से लिपस्टिक देर तक टिकी रहेगी और लिप्स शाइन भी करेंगे। अपने श्रृंगार में पूरी तरह ट्रेडिशनल लुक लाने के लिए बिंदी भी लगा सकती हैं। ब्रेड्स इन दिनों काफी चलन में हैं। बालों में फिशटेल, फ्रेंच चोटी या साइड चोटी बनाएं और चोटी को स्वरोस्की जडिम्त हेयर एक्सेसरीज से सजाएं। बालों में कलर्स करवाकर उसे खुले छोड़ सकती हैं। फ्रंट से हाई पफ बनाकर एक साइड से टक कर लें और दूसरे साइड पर कलर्स रख लें। टक करने के लिए हेयर एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें।

सफर में भी खूबसूरत!

समंदर का खारा पानी, रेगिस्तान की बालू, ट्रैकिंग की थकावट और बर्फीली हवाएं। इस बार छुट्टियां जहां भी प्लान कर रही हों, कीजिए और त्वचा की चिंता भूल जाइए। क्योंकि कुछ आसान सी बातों को ध्यान में रखकर आप अपनी खूबसूरती बरकरार रख सकती हैं

त्योहारों की छुट्टियां भले ही अभी हाल ही में खत्म हुई हों, पर आने वाले दिनों में छुट्टी का प्लान पक्का है। आपने अभी से ही प्लानिंग भी शुरू कर दी होगी। क्या आपने सोचा है कि छुट्टियों में आपकी त्वचा का ध्यान कौन रखेगा? जब छुट्टियों में कहीं बाहर जाएं तो इन बातों को ध्यान में रखें, ताकि सफर में भी आपकी त्वचा मुस्कुराती रहे -

पानी से निखरेगी त्वचा

लम्बी दूरी की ट्रिप पर हों या फिर एक-दो दिन की छोटी ट्रिप पर, कभी ज्यादा धूप तो कभी मौसम के बदलने का असर सीधा त्वचा पर होता है। इसलिए जरूरी है कि सफर के दौरान आप खूब सारा पानी पिएं। त्वचा को नमी पहुंचाने के लिए पानी से बेहतर कुछ और नहीं। ओरीफ्लेम इंडिया की ब्यूटी एंड मेकअप एक्सपर्ट आकृति कोचर कहती हैं, 'ट्रैवलिंग के दौरान ताजे फल और सब्जियां भी बेहतरीन ब्यूटी टीट्रमेंट साबित हो सकते हैं।'

मॉइस्चराइजर, सन ब्लॉक रखेंगे खयाल

अपने हैंडबैग में एक मॉइस्चराइजर और सन ब्लॉक हमेशा रखें। यह आपकी त्वचा का ध्यान रखेंगे और आप अपने सफर का मजा ले पाएंगी। समय-समय पर इन्हें त्वचा पर जरूर लगाएं।

सेनीटाइजर भी रखिए याद

यह कहना सही होगा एक एंटी बैक्टीरियल सैनीटाइजर आपके लिए सबसे जरूरी चीज होनी चाहिए। चाहे आप ट्रैकिंग कर रही हों या फिर हवाई यात्रा कर रही हों, हाथ गंदे तो हो ही जाते हैं। ऐसे में समय-समय पर हैंड सैनीटाइजर का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। हाथ साफ होंगे तो बहुत सारी चीजों पर अच्छा असर पड़ेगा। हाथों की गंदगी आपके चेहरे पर नहीं लगेगी और आप बाहर से ही नहीं, अंदर से भी स्वच्छ रहेंगी।

हर 6 घंटे हो फेस वॉश

जब त्वचा में एक्स्ट्रा ऑयल इकट्ठा हो जाते हैं तो यह मुहांसों और दाग-धब्बों का कारण बनता है। इसलिए कहीं भी ट्रैवल करें, तो हर छह घंटे पर चेहरा धोना न भूलें। ज्यादा लम्बी दूरी पर जा रही हैं तो एक एंटी बैक्टीरियल फेस वॉश आपके लिए बेहद जरूरी है।

ऑयली स्किन है तो

ऐसे में फेस वॉश और सेनीटाइजर के साथ आपके पास टोनर भी होना जरूरी हो जाता है। आकृति कहती हैं कि टोनर या एस्ट्रीजेंट को साथ रख कर त्वचा को हेल्दी और साफ रखा जा सकता है। ब्लॉटिंग पेपर को भी एक्स्ट्रा ऑयल निकालने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। त्वचा पर तेल इकट्ठा नहीं होगा तो मुहांसे और दानों से भी आपकी त्वचा सुरक्षित रहेगी।

मेकअप टिप्स भी रखिए याद

ट्रैवलिंग के दौरान मेकअप कम से कम होना चाहिए। सबसे पहले तो त्वचा के मुताबिक मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। फिर कॉम्पेक्ट या पाउडर फाउंडेशन इस्तेमाल करें। पर, याद रखें कि यह मैट फिनिश वाले हों। त्वचा को हेल्दी ग्लो देने के लिए मैट फिनिश वाले साफ्ट पिंक या कोरल ब्लश का इस्तेमाल करें।

हॉट पार्टी

न्यू ईयर ईव के लिए आप वॉयलैट, ब्लैक, मैरून, पर्पल, क्रिमसन रैड कलर की कॉकटेल ड्रैस ट्राई कर सकती हैं। यदि आप साड़ी वियर कर रही हैं, तो लाइट शेड व बार्डर वाली प्लेन साड़ी पहनें, इससे आपको सॉफिस्टिकेटेड लुक मिलेगी और साथ ही आपफी होकर पार्टी एंज्वॉय कर सकेंगी। अगर आपको सर्दी का डर सता रहा है तो ट्राऊजर्स के साथ लांग स्टाइलिश कोट और मफलर पहन सकती हैं। इनके साथ बूट पहनना न भूलें। स्कर्ट के साथ फर जैकेट पहनें और साथ ही ट्राई करें कैप या हैट। लॉन्ग बूट्स स्कर्ट्स के साथ बहुत बढ़िया दिखते हैं।

कूल लुक

कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमैंट भी खूबसूरती के साथ ट्राई करें। पर्सनैलिटी से सूट करती ड्रैस व मेकअप करें तो पार्टी में आम से खास दिख सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर ईव पर ज्यादा एक्सपैरीमैंट्स नहीं करते हुए कैजुअल लुक ही कैरी करना चाहती हैं तो भी आप बिंदास नजर आ सकती हैं। इस दौरान यह ध्यान रखें कि आप जो भी पहनें वह आप पर सूट करे और डिसैंट लुक दे। अधिक एक्सपोज करने वाली ड्रैस पहनने से बचें।

पार्टी ड्रैस

थोड़ा-सा क्रिएटिव होकर आप पार्टी की सैंटर ऑफ अट्रैक्शन बन सकती हैं। हां, लेकिन पार्टी पर जाने से पहले यह जरूर चैक कर लें कि आपकी पार्टी के लिए कोई थीम या ड्रैस कोड तो निर्धारित नहीं किया गया है। ड्रैस वही कैरी करें, जो आपकी पर्सनैलिटी को सूट करती हो और आपको डीसैंट लुक दे। पार्टी में हैवी ड्रैसेका की बजाय लाइट ड्रैसेस कैरी करना मुनासिब होगा। हैवी एम्ब्रायड्री या वर्क वाली ड्रैस पहनने से आप एंटरटेनमैंट और एंज्वायमैंट के माहौल में कंफर्ट महसूस नहीं कर पाएंगी। न्यू ईयर ईव के लिए आप वॉयलैट, ब्लैक, मैरून, पर्पल, क्रिमसन रैड कलर की कॉकटेल ड्रैस ट्राई कर सकती हैं। यदि आप साड़ी वियर कर रही हैं, तो लाइट शेड व बार्डर वाली प्लेन साड़ी पहनें, इससे आपको सॉफिस्टिकेटेड लुक मिलेगी और साथ ही आपफी होकर पार्टी एंज्वॉय कर सकेंगी। अगर आपको सर्दी का डर सता रहा है तो ट्राऊजर्स के साथ लांग स्टाइलिश कोट और मफलर पहन सकती हैं। इनके साथ बूट पहनना न भूलें। स्कर्ट के साथ फर जैकेट पहनें और साथ ही ट्राई करें कैप या हैट। लॉन्ग बूट्स स्कर्ट्स के साथ बहुत बढ़िया दिखते हैं। स्टाइलिश वूलन स्टोल भी वैस्टर्न आऊटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर ईव पर ज्यादा एक्सपैरीमैंट नहीं करते हुए कैजुअल लुक ही कैरी करना चाहती हैं तो ट्रैंडी कुर्ती के साथ वूलन लैगिंग्स में भी आप बिंदास नजर आ सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर पार्टी में मस्ती करने के मूड में जा रही हैं और बिल्कुल फ्री स्टाइल चाहती हैं, तो आपको पुराना लुक कैरी करने की जरूरत नहीं है, बल्कि कुछ नया आजमाना चाहिए। इस बार इंडो-वैस्टर्न लुक ट्राई करें। बेशक यह अंदाज आपको डिफरैंट लुक्स देने के साथ पार्टी में कंफर्ट भी देगा।

ज्यूलरी

गुड लुक के लिए परफैक्ट ज्यूलरी का होना बहुत जरूरी है। अच्छी ज्यूलरी से डल ड्रैस को भी स्मार्ट लुक दिया जा सकता है। यदि ड्रैस को ध्यान में रखकर ज्यूलरी पहनेंगी, तो ज्यादा फैशनेबल और स्टाइलिश दिखेंगी। ज्यूलरी कुछ डिफरैंट होनी चाहिए ताकि जब आप पार्टी में जाएं, तो लोग आप पर से अपनी निगाहें हटा ही न सकें। ज्यूलरी के फ्रैश ट्रैंड्स को एलिगैंस के साथ कैरी करें।

नैकपीस

अगर कानों में कुछ पहन रही हैं तो नैक को खाली रखें और अगर नैक में कुछ पहन रही हैं तो कानों में कुछ न पहनें। इससे आपके खूबसूरत नैकपीस या ईयररिंग्स दूसरों को अपनी ओर अट्रैक्ट कर पाएंगे। वैस्टर्न ड्रैस के साथ लॉन्ग सिंगल पर्ल नैकलैस पहना जा सकता है। हॉल्टर और हाई नैक के साथ एक मोती का नैकलाइन इस्तेमाल किया जा सकता है। आप नैकपीस को स्टेटमैंट ज्यूलरी बना रही हैं, तो यह सिंगल स्रिंग से लेकर दो, तीन या मल्टीपल स्ट्रिंग्स में हो सकती है। इसके अलावा ट्रांसपेरैंट थ्रैड में बड़े स्टोंस वाले नैकपीस फैशन में है।

ईयर रिंग्स

ईयर रिंग्स से लुक्स में इंस्टैंट चेंज आता है। इन दिनों बहुत ही खूबसूरत और अफोर्डेबल ईयर रिंग्स की रेंज बाजारों में उपलब्ध है। आप अपनी ड्रैस के स्टाइल और रंग के हिसाब से इनका चयन कर सकती हैं। बस यह ध्यान रखें कि लॉन्ग ईयररिंग्स पहनें, यानी आपकी मिड नैक तक आते हों। मैटल या ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर के बड़े ईयररिंग्स पहन सकती हैं। इंडियन ड्रैस के साथ ट्रैडीशनल और एथनिक लुक में कुंदन, पोलकी, रंगीन क्रिस्टल, मोती और बीड्स वाले ईयररिंग्स अच्छे लगेंगे। एंटीक ज्यूलरी का ऑप्शन भी आपको कुछ डिफरैंट लुक दे सकता है। जंक ईयररिंग्स वैस्टर्न ड्रैस पर खूब जंचते हैं। इससे आपका चेहरा ज्यादा सुंदर दिखेगा और अटैंशन भी हासिल करेगा।

रिंग्स

वैसे तो हर महिला हाथ में एक-दो रिंग्स हमेशा कैरी करती है, लेकिन पार्टी पर आपका अंदाज रूटीन से कुछ अलग होना चाहिए। मार्कीट में खूबसूरत रिंग्स की भी खूब वैरायटी मिल जाएगी। आजकल रंग-बिरंगे पत्थरों की बनी रिंग्स काफी पसंद की जा रही हैं,जो सिम्पल और हैवी दोनों लुक्स में मौजूद हैं। इन्हें आप अपनी ड्रैस के रंग के अनुसार पहन सकती हैं।

बैंगल्स

दोनों हाथों की बजाय सिर्फ एक ही हाथ में एक्सैसरी पहनें। इंडियन ड्रैस पहन रही हों, तो हाथों के लिए ड्रैस से मेल खाती गोल्डन या सिल्वर मिक्स्ड बैंगल्स पहनें। आप जड़ाऊ या स्टोन वाले ब्रेसलेट को भी अपनी फैशनेबल वैस्टर्न ड्रैस के साथ कैरी कर सकती हैं। स्टाइलिश वुडन आर्ट के लिए वुडन बैंगल्स भी ट्राई कर सकती हैं।

एंकलेट्स

एंकलेट्स यानी पायल का आजकल युवाओं में काफी क्रेज है। खूबसूरत एंकलेट्स ट्रैडीशनल और एथनिक लुक के साथ ही कैजुअल लुक में सुंदर दिखेंगी। ये कई रंगों में मौजूद हैं जिन्हें ट्रैडीशनल सलवार-कमीज, साड़ी, चूड़ीदार के साथ ही स्टाइलिश स्कर्ट के साथ भी पहना जा सकता है। आप एंकलेट्स ब्रेसलेट भी ट्राई कर सकती हैं।

बच्चे का गुस्सा नहीं है अच्छा

आजकल के बच्चों को भी तुरंत गुस्सा आता है। छोटी-छोटी बातों पर कहासुनी तक तो ठीक है, पर अगर आपका बच्चा मारपीट करके घर आ रहा है तो आपको इस बात को गंभीरता से लेना होगा। यह जानना होगा कि इस व्यवहार के पीछे क्या कारण है और उसमें सुधार कैसे संभव है। अगर समय पर आपने सही कदम नहीं उठाया तो भविष्य में आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

च्चे तो शरारती होते ही हैं। पर वे जितना शरारत में तेज होते हैं उतना ही पढ़ाई और दूसरे कामों में भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा मिले। आप उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। अगर उन्हें कहीं से भी सही प्रोत्साहन न मिले और हमेशा उनकी गलतियों पर टोका-टाकी या डांट-फंटकार ही लगाई जाए तो ऐसे बच्चे अति उत्साह में कभी-कभी गलत काम भी कर बैठते हैं। एक छोटी-सी बात पर कई बार बच्चे झगड़ा एवं मार-पीट करते हैं और एक-दूसरे को हानि पहुंचा देते हैं।जब इस तरह की घटनाएं बढ़ने लगती हैं तो बच्चे का व्यवहार भी आक्रामक होता जाता है।

दरअसल, बचपन में मां-बाप और शिक्षक बच्चे को कुम्हार की तरह उनके विचारों को रचते हैं। इसलिए मां-बाप और शिक्षकों को समय-समय पर सही और गलत के ज्ञान के साथ-साथ हर परिस्थिति में सामंजस्य बैठाना सिखाना चाहिए। बच्चों में स्कूल, घर और बाहर में कई कारणों से झगड़े होते हैं जो कई बार उग्र रूप ले सकते हैं। इन झगड़ों में किसी बच्चे की चीज उससे बिना पूछे लेना, सहपाठियों का मजाक उड़ाना, खुद शरारत करके दूसरे बच्चे का नाम लगा देना, सहपाठी या दोस्त को थप्पड़ मार देना आदि आम है। पर, अगर सही समय पर इन गलत आदतों को न रोका जाए तो ये बच्चे के व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बच्चा घर के सदस्यों को छोटी-छोटी बात पर झगड़ते देखता है तो वो बातें उसके दिमाग में घर कर जाती हैं उसके व्यवहार में भी वो बातें आ जाती हैं। अगर घर में एक बच्चे को दूसरे बच्चे से ज्यादा तवज्जो मिले या फिर घर में बड़े-बुजुर्ग अधिक लाड़-प्यार में बच्चों के गलत बातों को नजरअंदाज कर दें, तो भी ऐसा होता है।

मैं नहीं हूं लड़ाकू

बच्चों को छोटी-छोटी बातें सिखानी चाहिए। जैसे गलती करने पर सॉरी बोलना या गलती मानना। किसी दूसरे का सामान इस्तेमाल करने से पहले उससे पूछना। ऊंची आवाज में बात नहीं करना आदि। उनके गलत व्यवहार को इस तरह से समझाना कि यदि उनके साथ कोई ऐसा करे तो उन्हें कैसा लगेगा। बच्चों को दूसरों की वस्तुओं की कद्र करना सिखाना चाहिए। आपको अपने बच्चे को यह सिखाना होगा कि नकारात्मक परिस्थिति में उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए। अगर वह बहुत नाराज है तो उसे समझाना चाहिए कि वह अपने गुस्से पर कैसे काबू रखे, जैसे थोड़ी देर चुप रहना, कहीं और देखना, पानी पीना या थोड़ी देर के लिए वहां से चले जाना, उल्टी गिनती गिनना इत्यादि। आप उसके लिए स्वयं को उदाहरण बनाकर पेश करें। बच्चों की अपनी बुराई सुनना सिखाना चाहिए। इससे भविष्य में अगर कोई उसके सामने ही उसकी बुराई करेगा, तो वह उत्तेजित नहीं होगा और उसे सकारात्मक तौर पर लेगा। संभव है कि अपनी बुराई सुनकर वह खुद में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश भी करे। बच्चा चिड़चिड़ापन या झगड़ालू व्यवहार का ना हो इसके लिए घर में हर समय खुशी का माहौल होना चाहिए। घर में ज्यादा से ज्यादा समय एक दूसरे के साथ गुजारें। हर छोटी-सी खुशियां शेयर करें। बच्चों को मार-पीट से दूर रहने की सलाह दें। झगड़ालू या दबंग बच्चों से दोस्ती न रखने की सलाह दें। उनकी संगत पर नजर रखें।

चक्रवात 'ओटिस' से मरने वालों की संख्या 48 हुई, 36 लापता...तलाश-बचाव अभियान जारी

अकापुल्को (मैक्सिको)। मैक्सिको के दक्षिणी प्रशांत तटीय क्षेत्र में चक्रवात 'ओटिस' के प्रभाव के कारण कम से कम 48 लोगों की मौत हो गई जिनमें से अधिकतर की जान अकापुल्को में गई। मैक्सिको के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्राकृतिक आपदा के कारण जान गंवाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मैक्सिको की नागरिक रक्षा एजेंसी ने एक बयान में कहा कि मृतकों में से 43 अकापुल्को शहर से और पांच पास के कोयुका दे बिनेतेज शहर से हैं। गुएरेरो राज्य के गवर्नर ने इससे पहले लापता लोगों की संख्या 10 बताई थी जो बढ़कर अब 36 हो गई है। अधिकारियों ने शनिवार को मृतक संख्या 39 बताई थी जिसके बाद इसमें फिर से इजाफा हुआ है। अकापुल्को में परिजनों ने रविवार को अपने प्रियजनों का अंतिम संस्कार किया। वहीं सरकारी कर्मचारी और स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं ने शक्तिशाली पांच श्रेणी के चक्रवात के कारण सड़कों पर जमा मलबे और गंदगी को साफ किया। कैथी बरेरा (30) ने रविवार को कहा कि उनकी चाची का परिवार भूस्खलन में दब गया, जब मिट्टी और चट्टानें उनके घर पर गिरीं। उसकी चाची का शव उनके दो से 21 वर्ष की उम्र के तीन बच्चों के शवों के साथ मिला था। उसके चाचा अब भी लापता हैं। इसके अलावा, बरेरा की अपनी मां और भाई भी लापता हैं। रविवार को अधिकारियों ने बरेरा की चाची और उनके दो छोटे बच्चों के शव परिजनों को सौंपे। राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुएल लोपेज ओब्राडोर ने शनिवार को कहा कि उनके विरोधी उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए मृतकों की संख्या बढ़ा चढ़ाकर बताने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सैकड़ों परिवार अब भी अपने प्रियजनों के संदेश का इंतजार कर रहे हैं और मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है। चक्रवात 'ओटिस' बुधवार तड़के 266 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तट पर पहुंचा और लोगों के पास चक्रवात से बचाव की तैयारी के लिए बहुत कम समय था।

कोई विकल्प नहीं होने के कारण गाजा में माता-पिता बच्चों को पिला रहे खारा पानी : संयुक्त राष्ट्र

गाजा। संयुक्त राष्ट्र बाल सहायता एजेंसी यूनिसेफ ने कहा कि गाजा में आवश्यक वस्तुओं की कमी के कारण लोग अपने बच्चों को खारा पानी देने के लिए मजबूर हैं। बीबीसी ने यूनिसेफ के प्रवक्ता टोबी फ्रिकर के हवाले से कहा कि गाजा जिस कमी का सामना कर रहा था, उसे दूसरे स्तर पर बढ़ा दिया गया है। सहायता आपूर्ति के बारे में बात करते हुए फ्रिकर ने कहा कि सहायता आपूर्ति आ रही है, लेकिन न्यूनतम है। उन्होंने तत्काल मानवीय युद्धविराम और गाजा को सहायता आपूर्ति बढ़ाने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि रविवार को 30 से अधिक सहायता ट्रक गाजा में दाखिल हुए, जो सीमित आपूर्ति की अनुमति के बाद से क्षेत्र में सबसे बड़ा मानवीय सहायता काफिला है।

जॉर्डन ने गाजा को अधिक मानवीय सहायता देने का किया आग्रह

अम्मान। जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गाजा पट्टी में तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए तुरंत मिलकर काम करने का आह्वान किया है। रविवार को उनके मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, सफादी ने राजधानी अम्मान में अपने साइप्रस समकक्ष कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस और बेल्जियम समकक्ष हदजा लाहबीब के साथ अलग-अलग बैठकों के दौरान यह टिप्पणी की, जहां उन्होंने गाजा में वृद्धि को रोकने के प्रयासों पर चर्चा की। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी बातचीत तब हुई जब इजरायल ने 7 अक्टूबर को इजरायली सीमावर्ती शहरों पर हमास द्वारा किए गए हमले का जवाब देने के लिए हमास शासित गाजा पट्टी के खिलाफ अपने हवाई हमले और जमीनी अभियान तेज कर दिए। बैठकों के दौरान, जॉर्डन के मंत्री ने गाजा में चल रहे संघर्ष के फैलने के खिलाफ चेतावनी दी और इजरायल के हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हाल ही में अपनाए गए एक प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया, जिसमें कानूनी और मानवीय दायित्वों को कायम रखते हुए शत्रुता को समाप्त करने और नागरिकों की सुरक्षा का आह्वान किया गया। सफादी ने कहा कि केवल दो-राज्य समाधान पर आधारित एक न्यायसंगत और स्थायी शांति ही फिलिस्तीनियों और इजरायलियों दोनों के लिए सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करेगी। उन्होंने दोनों पक्षों के नागरिकों की हत्या की निंदा की, सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को बनाए रखने और नागरिकों के जीवन का सम्मान करने पर जोर दिया।

इज़राइल ने रूस में रह रहे इज़राइली नागरिकों की रक्षा करने किया आह्वान

तेल अवीव। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने रविवार देर रात एक बयान में रूसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों से रूस में रहने वाले इजराइली नागरिकों और यहूदियों की रक्षा करने का आह्वान किया है। यह बयान फिलिस्तीनी झंडे लहराते हुए मुसलमानों के एक समूह द्वारा रूस के दागिस्तान क्षेत्र में माखचकाला हवाई अड्डे में घुसने के बाद दिया गया। प्रदर्शनकारी इन खबरों के बीच हवाईअड्डे पर पहुंचे थे कि रूसी एयरलाइन 'रेड विंग्स' यहूदी शरणार्थियों को लेकर तेल अवीव से हवाईअड्डे पर पहुंची है। इजराइली प्रधान मंत्री के कार्यालय ने दंगाइयों और यहूदियों व इजरायली नागरिकों के खिलाफ उकसाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

महिला की उम्र 26 साल और 22 बच्चे की है मां, महिला का शतक लगाने का है इरादा

अटलांटा। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक रूसी महिला 22 बच्चों की मां है, और वो सिर्फ 26 साल की उम्र है! यह रूसी महिला क्रिस्टीना ऑजटर्क जॉर्जिया में रहती हैं। उनके 22 बच्चे हैं, पर वो इस संख्या को 3 अंकों में ले जाना चाहती हैं, यानी वो बच्चों के मामले में शतक लगाना चाहती हैं। आप अगर इस बात से हैरान हो रहे हैं कि सिर्फ 26 साल की महिला के 22 बच्चे कैसे हो सकते हैं, तो चलिए आपको बताते हैं कि पूरा मामला क्या है। क्रिस्टीना की सबसे बड़ी बेटी, 8 साल की विक्टोरिया नेचुरल तरीके से कंसीव हुई थी। पर उसके बाद के सारे 21 बच्चे सरोगेसी से पैदा हुए थे। इन 21 में से 20 बच्चे साल 2020 में पैदा हुए थे। साल 2021 में उन्होंने अपनी सबसे छोटी बेटी ओलीविया का स्वागत किया था। महिला ने बताया कि वो अपने करोड़पति पति से 105 बच्चे चाहती हैं। आपको बता दें कि उनके पति उनसे 32 साल बड़े हैं। 58 साल के गैलिप ऑजटर्क होटल के मालिक हैं। इसी साल की शुरुआत में उन्हें 8 साल की जेल हो गई थी। उनके ऊपर गैरकानूनी ड्रग्स खरीदने और रखने का आरोप लगा था। कपल सरोगेसी की मदद से अपने बच्चों का स्वागत इस दुनिया में कर रहे हैं, इस वजह से गैलिप, जेल में रहते हुए भी पिता बन जाएंगे। क्रिस्टीना, जॉर्जिया के बाटुमी शहर में छुट्टियां मना रही थीं, तब उनकी मुलाकात गैलिप से हुई थी। इस साल फरवरी में क्रिस्टीना ने एक किताब लॉन्च की थी, जिसमें उन्होंने मेगा-मॉम होने का अपना अनुभव साझा किया था। क्रिस्टीना ने बताया कि जब से उनके पति गिरफ्तार हुए हैं, तब से बच्चों की देखभाल उन्हें अकेले ही करनी पड़ रही है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर के बताया था कि पति के न होने की वजह से उन्हें अकेलापन काफी ज्यादा सताता था। उन्होंने बताया था कि मार्च 2020 से जुलाई 2021 के बीच उन्होंने सरोगेट्स को 1.4 करोड़ रुपये दिए थे। एक वक्त बीच में ऐसा भी था कि घर में एक साथ 16 दाइयां काम करती थीं, जिन्हें सैलरी के तौर पर कुल 68 लाख रुपये से ज्यादा दिए जाते थे। बता दें कि हर महिला के लिए मां बनना बेहद खास अनुभव होता है. पर ये सफर आसान नहीं होता। मानसिक से लेकर शारीरिक रूप से भी औरतें प्रेग्नेंसी के दौरान काफी समस्याओं से गुजरती हैं। प्रेग्नेंसी के बाद मां के तौर पर उनकी जिम्मेदारियां और भी ज्यादा बढ़ जाती हैं। इस वजह से आजकल औरतें एक से ज्यादा बच्चे नहीं चाहतीं।

मोदी, हसीना संयुक्त रूप से सीमा पार रेल प्रोजेक्ट का करेंगे उद्घाटन, दोनों देशों को जोड़ेगी ये परियोजना

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके बांग्लादेश समकक्ष शेख हसीना बुधवार को संयुक्त रूप से एक प्रमुख सीमा पार रेलवे परियोजना का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के प्रधान मंत्री सुबह 11 बजे एक आभासी समारोह में अगरतला-अखौरा क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक परियोजना का शुभारंभ करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि 15 किलोमीटर लंबा रेल लिंक (भारत में 5 किलोमीटर और बांग्लादेश में 10 किलोमीटर) सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देगा और ढाका के रास्ते अगरतला और कोलकाता के बीच यात्रा के समय को काफी कम कर देगा।

प्रोजेक्ट का ट्रायल सोमवार दोपहर 12 बजे होगा। इसमें एक प्रमुख पुल और तीन छोटे पुल शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा कि मौजूदा समय में ट्रेन से अगरतला से कोलकाता पहुंचने में करीब 31 घंटे का समय लगता है, जो घटकर सिर्फ 10 घंटे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे ने परियोजना के काम में तेजी लाने के लिए अपने बजट से 153.84 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

अखौरा-अगरतला नई रेलवे लाइन (भारत में 5.05 किमी और बांग्लादेश में 10.014 किमी) पश्चिमी त्रिपुरा के निश्चिंतपुर में एक अंतरराष्ट्रीय आव्रजन स्टेशन के माध्यम से बांग्लादेश के रेलवे स्टेशन अखौरा को जोड़ेगी। भारत द्वारा वित्त पोषित, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) 1,000 करोड़ रुपये की अगरतला-अखौरा रेलवे परियोजना की नोडल एजेंसी है, जिसे जनवरी 2010 में अंतिम रूप दिया गया था जब बांग्लादेश की प्रधान मंत्री ने अपनी नई दिल्ली यात्रा के दौरान तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह से मुलाकात की थी।

अगरतला-अखौरा रेलवे परियोजना, जो भारत और बांग्लादेश के बीच यात्री और माल दोनों के आदान-प्रदान के लिए एक दोहरी गेज स्टेशन है, पूर्वोत्तर राज्यों, विशेष रूप से त्रिपुरा और असम और मिजोरम के दक्षिणी हिस्से के लोगों को 22 की बचत करके रेल द्वारा कोलकाता जाने में सक्षम बनाएगी। वर्तमान में क्षेत्र के लोग, विशेष रूप से त्रिपुरा और इसके आसपास के इलाकों के लोग, रेल मार्ग से गुवाहाटी के रास्ते कोलकाता जाते हैं, जिसमें 38 घंटे से अधिक समय खर्च होता है।

भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. बरई को अमेरिका के यहूदी समूह ने किया सम्मानित

शिकागो (अमेरिका)। अमेरिका में एक प्रभावशाली यहूदी समूह ने भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. भरत बरई को भारत, अमेरिका और इजराइल के बीच संबंधों को मजबूत करने के उनके अथक प्रयासों और यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ खड़े होने के लिए सम्मानित किया। डॉ. बरई भारत-इजराइल संबंध के बड़े समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम आपके, अपने यहूदी भाइयों और बहनों के साथ हैं। डॉ. बरई ने कहा कि हिंदू और यहूदी समुदाय के बीच सहयोगात्मक संबंधों से दोनों को लाभ हुआ है। यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ खड़े होने के लिए'' डॉ. बरई को रविवार को ''कैम्पस चैंपियनशिप गाला'' में यह पुरस्कार दिया गया। उपनगर शिकागो में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद यहूदी समुदाय के लोगों ने बरई का खड़े होकर अभिवादन किया। बरई ने कहा, ''सभ्य दुनिया के अधिकतर लोगों के साथ दुनियाभर के हिंदू हमास के इस बर्बर हमले की निंदा करते हैं, यहूदी लोगों के प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित करते हैं तथा इजराइल के अपनी रक्षा करने के अधिकार का समर्थन करते हैं।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि इजराइल हमास का समूल नाश कर देगा और पश्चिम एशिया से अधिकतर देश 'अब्राहम समझौते' में शामिल होंगे। 'अब्राहम समझौता' अमेरिका की मध्यस्थता में 2020 में इजराइल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच हुआ समझौता है। इसमें इजराइल, बहरीन और यूएई के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए हुए समझौते का भी जिक्र है। अब्राहम समझौते ने निर्धारित किया कि यूएई और बहरीन इजराइल में अपने-अपने दूतावास स्थापित करेंगे और पर्यटन, व्यापार और सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में इजराइल के साथ मिलकर काम करेंगे। इसका धार्मिक महत्व यह है कि यह मुसलमानों को इस्लाम के सबसे पवित्र स्थलों में से एक यरूशलम स्थित अल-अक्सा मस्जिद में जाने की अनुमति देगा।

इजराइली सेना उत्तरी गाजा के अंदरुनी इलाकों तक पहुंची, अस्पतालों के समीप किए हवाई हमले

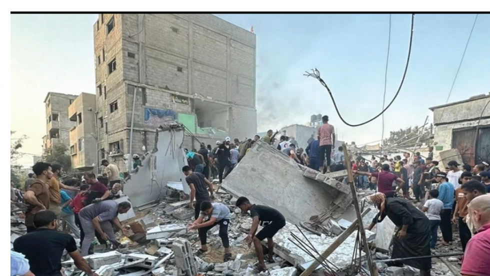

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली सेना और उसके बख्तरबंद वाहन सोमवार को उत्तरी गाजा पट्टी के और अंदरुनी इलाकों तक पहुंच गए जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र और चिकित्सा कर्मियों ने आगाह किया कि अस्पतालों के नजदीक हवाई हमले किए जा रहे हैं जहां हजारों घायलों के साथ ही हजारों फलस्तीनी नागरिकों ने शरण ली हुई है।

जमीनी आक्रमण में यह तेजी तब आयी है जब एक दिन पहले खाद्य सामग्री, दवा और अन्य सामान लेकर 33 ट्रकों ने मिस्र से गाजा में प्रवेश किया। इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से मानवीय सहायता की यह सबसे बड़ी खेप है। राहत कर्मियों ने सोमवार को कहा कि यह सहायता गाजा में आवश्यकता से बहुत कम है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जान गंवाने वाले फलस्तीनियों की संख्या 8,000 के पार चली गयी है जिनमें से ज्यादातर महिलाएं और नाबालिग हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इजराइली सैनिक उत्तरी गाजा में अंदरुनी इलाकों तक घुस गए हैं।

सेना द्वारा सोमवार को जारी वीडियो में बख्तरबंद वाहनों को इमारतों के बीच से गुजरते हुए और सैनिकों को एक मकान के भीतर कमान संभालते हुए देखा गया। अभी सटीक स्थान के बारे में नहीं पता चला है लेकिन शनिवार को सेना द्वारा जारी फुटेज में सैनिकों को गाजा की उत्तरी सीमा की बाड़बंदी के समीप सुनसान रेतीले स्थानों से गुजरते हुए देखा गया। सेना ने सोमवार को कहा कि उसके सैनिकों ने रात भर में इमारतों और सुरंगों के भीतर से हमला करने वाले कई आतंकवादियों को मार गिराया और हवाई हमलों में एक इमारत को ध्वस्त कर दिया गया जिसका इस्तेमाल हमास कर रहा था। उसने कहा कि पिछले कुछ दिनों में उसने आतंकवादियों के 600 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया है जिसमें हथियार डिपो और टैंक रोधी मिसाइल लॉन्चिंग स्थल भी शामिल हैं। इन खबरों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। हमास की सैन्य शाखा ने बताया कि उसके आतंकवादियों की उत्तरपश्चिमी गाजा पट्टी में घुसने वाले इजराइली सैनिकों से झड़प हुई। फलस्तीनी आतंकवादी तेल अवीव समेत इजराइल में अभी रॉकेट हमले कर रहे हैं।

इजराइल की तरफ से बमबारी के बीच गाजा के अधिकतर हिस्सों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अचानक बंद होने के दो दिन बाद, भीड़भाड़ वाले इस क्षेत्र में रविवार को संचार सेवाएं धीरे-धीरे बहाल हो गईं। फलस्तीन के शरणार्थियों को मानवीय सहायता पहुंचाने के काम में लगी संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने शनिवार को कहा कि हजारों लोग 'आटा' और रोजमर्रा की जरूरत की अन्य वस्तुएं लेने के लिए गाजा में राहत सहायता गोदामों पर टूट पड़े।

इस बीच, उत्तरी गाजा में खचाखच भरे अस्पतालों पर खतरा बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को कहा कि हाल के दिनों में गाजा शहर के शिफा और अल-कुद्स अस्पतालों और उत्तरी गाजा में इंडोनेशियाई अस्पताल के समीप हवाई हमले किए गए। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय संबंधी कार्यालय ने बताया कि उत्तर गाजा में संचालित 10 अस्पतालों को हाल के दिनों में जगह खाली करने का आदेश मिला है। हजारों मरीजों और कर्मियों के साथ करीब 1,17,000 विस्थापित लोग इन अस्पतालों में रह रहे हैं। इजराइल ने हमास पर अस्पताल के नीचे एक गुप्त कमांड पोस्ट बनाने का आरोप लगाया है लेकिन इसके समर्थन में ज्यादा सबूत उपलब्ध नहीं कराए हैं। हमास इन आरोपों से इनकार करता है। इजराइल ने खान यूनिस में रविवार को दो मंजिला मकान पर हवाई हमला किया जिसमें एक ही परिवार के 10 सदस्यों समेत कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी। इजराइली सेना ने सोमवार को तड़के कहा कि उसके विमान ने सीरिया की ओर से रॉकेट दागे जाने के बाद वहां सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया।

बीजिंग में सुरक्षा मंच की बैठक, चीन और रूस के निशाने पर अमेरिका

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी और रूसी सैन्य प्रमुखों ने सोमवार को बीजिंग में एक सुरक्षा मंच पर आलोचना के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका पर निशाना साधा, जबकि चीन के दूसरे सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर ने वाशिंगटन के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने की कसम खाई। देशों के बीच तनाव और दक्षिण चीन सागर या ताइवान के पास आकस्मिक झड़प के खतरे के बीच अमेरिका और चीनी सेनाओं के बीच नियमित संचार की कमी वाशिंगटन के लिए लगातार चिंता का विषय रही है।

बीजिंग जियांगशान फोरम, चीन की सैन्य कूटनीति का सबसे बड़ा वार्षिक शो, रविवार को देश के रक्षा मंत्री के बिना शुरू हुआ, जो आम तौर पर इस कार्यक्रम की मेजबानी करते हैं, लेकिन बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच इसमें एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने पश्चिम को चेतावनी दी कि यूक्रेन युद्ध में उसकी भागीदारी से गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

रूस की TASS राज्य समाचार एजेंसी ने फोरम में शोइगु के हवाले से कहा कि रूस के साथ संघर्ष की पश्चिमी रेखा में लगातार वृद्धि से परमाणु शक्तियों के बीच सीधे सैन्य टकराव का खतरा है, जो विनाशकारी परिणामों से भरा है। चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के उपाध्यक्ष झांग यूक्सिया ने 'कुछ देशों' पर सरकार को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों की परोक्ष आलोचना की।

पाकिस्तान से एनओसी मिलने के बाद भारत लौटेगी अंजू

लौहार (एजेंसी)। दो बच्चों की 34 वर्षीय भारतीय मां पाकिस्तान सरकार से मंजूरी मिलने के बाद भारत लौट आएगी। दरअसल, राजस्थान की रहने वाली अंजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर मिले दोस्त से शादी करने के लिए खैबर पख्तूनख्वा के एक दूरदराज के गांव गई थी। इसके बाद अगस्त में पाकिस्तान ने अंजू का वीजा एक साल के लिए बढ़ा दिया था। अंजू ने इस्लाम भी कबूल कर लिया था। नसरुल्लाह से शादी के बाद अंजू ने नाम बदलकर फातिमा कर दिया गया था। अंजू के पाकिस्तानी पति ने बताया कि हम इस्लामाबाद में आंतरिक मंत्रालय से एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए हमने पहले ही आवेदन कर दिया है। एनओसी प्रक्रिया थोड़ी लंबी है और इसे पूरा होने में समय लगता है।

निश्चित रूप से वापस आएंगी- नसरुल्लाह

उन्होंने बताया कि जैसे ही वाघा सीमा बिंदु से बाहर जाने और वापस आने के लिए दस्तावेज पूरे हो जाएंगे, अंजू भारत की यात्रा करेंगी। वह भारत में अपने बच्चों से मिलने के बाद पाकिस्तान लौटेंगी। उन्होंने कहा कि वह निश्चित रूप से वापस आएंगी, क्योंकि पाकिस्तान अब उनका घर है।

क्या है मामला?

पिछले महीने नसरुल्ला ने कहा था कि अंजू मानसिक रूप से परेशान हैं और अपने दो बच्चों को याद कर रही हैं। इससे पहले 25 जुलाई को अंजू ने अपने 29 वर्षीय दोस्त नसरुल्लाह से शादी की थी। उनका घर खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी दीर जिले में है। दोनों 2019 में फेसबुक पर दोस्त बने थे। अंजू की पहली शादी राजस्थान के रहने वाले अरविंद से हुई थी। उनकी एक 15 साल की बेटी और छह साल का बेटा है।

कातिलों को नहीं छोड़ेंगे नारों के साथ रूस में विमान पर टूट पड़ी भीड़

मास्कॉ। फिलिस्तीन के नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पूरी दुनिया में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। लेकिन रूस के मखाचकला एयरपोर्ट पर जिस तरह का प्रदर्शन हुआ है वो इजराइल के लिए डराने वाला है। यहां फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों की भीड़ ने हाथ में पत्थर और फिलिस्तीन का झंडा लेकर नारेबाजी की। देखते ही देखते बेकाबू भीड़ ने यहूदियों की मॉब लिंचिंग की कोशिश की। दागीस्तान में यहूदियों के साथ हुई इस घटना के बाद इजराइल ने रूसी राजदूत को तलब किया है और यहूदियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। प्रदर्शनकारियों को जैसे ही सूचना मिली कि इजराइल की राजधानी तेल अवीव से एक फ्लाइट आ रही है तो भीड़ ने फ्लाइट को रनवे पर घेर लिया। हजारों मुस्लिम एयरपोर्ट के गेट को तोड़कर अंदर आ गए। हालात इतने बिगड़ गए कि दंगाइयों को रोकने के लिए स्पेशल फोर्स बुलानी पड़ी। भीड़ फिलिस्तीन का झड़ा लेकर लगातार 'बच्चों के कातिलों को नहीं छोड़ेंगे' का नारा लगा रही थी। बताया जा रहा है कि फ्लाइट के यात्रियों में भीड़ यहूदियों को खोजने लगी। भीड़ एक-एक पैसेंजर का पासपोर्ट चेक करती रही। जबरदस्त विरोध प्रदर्शन के बाद कुछ देर के लिए एयरपोर्ट को भी बंद करना पड़ा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक ने इजराइल-गाजा संघर्ष के बीच घरेलू सुरक्षा बैठक बुलायी

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इजराइल-गाजा संघर्ष के बीच और देश की सड़कों पर व्यापक प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में ब्रिटेन के लिए घरेलू सुरक्षा मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए सोमवार को लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं।

'कैबिनेट ऑफिस ब्रीफिंग रूम्स ए' (कोबरा) बैठक ऐसे समय में हो रही है जब एक ओर सप्ताहांत में हजारों लोगों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के खिलाफ प्रदर्शन किए। प्रदर्शन के दौरान नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया और पांच पर सार्वजनिक व्यवस्था संबंधी अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।

बैठक में ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन भी शामिल हुईं। ब्रिटेन के शिक्षा मंत्री रॉबर्ट हाफटन ने डाउनिंग स्ट्रीट में उच्च स्तरीय कोबरा बैठक के संदर्भ में 'टाइम्स रेडियो' से कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ब्रिटिश नागरिक आतंकवाद के खतरे से सुरक्षित रहें जैसा कि सरकार हमेशा करती है।''

इस बैठक से पहले मेट्रोपोलिटन पुलिस आयुक्त सर मार्क रॉवले ने ब्रिटेन की सड़कों पर चरमपंथ से निपटने के लिए ''सख्त'' कानून बनाने का आह्वान किया था। ब्रिटेन सरकार ने अपने देश में हमले की आशंका जतायी है।

मेट्रोपोलिटन पुलिस के अनुसार, तीन सप्ताह पहले पश्चिम एशिया में संकट गहराने के बाद से देश में यहूदी विरोधी घटनाओं में 14 गुना वृद्धि हुई है खबरों के अनुसार, ब्रिटेन सरकार देश में प्रदर्शन से जुड़ी कुछ चरमपंथी चिंताओं से निपटने के लिए आतंकवाद संबंधी कानूनों को कड़ा करने के तरीकों पर विचार कर सकती है।

ब्रेवरमैन ने ऐसी घटनाओं के खिलाफ कड़ी पुलिस कार्रवाई न करने को लेकर सवाल किया जबकि पुलिस ने आगाह किया कि ऐसे मामलों के खिलाफ कानून को पूरी तरह परिभाषित नहीं किया गया है। इस माह के शुरू में इजराइल-हमास संघर्ष बढ़ने के बाद से लंदन में लगभग 100 गिरफ्तारियां की गई हैं।

मेट्रोपोलिटन पुलिस प्रमुख का अनुमान है कि अगले कुछ हफ्तों में और भी गिरफ्तारियां होंगी क्योंकि पुलिस उन लोगों का पता लगा रही है जिन्होंने हाल के प्रदर्शनों में सार्वजनिक व्यवस्था और आतंकवाद संबंधी कानूनों का उल्लंघन किया था।

इस बीच, ब्रिटेन के अपराध और पुलिसिंग मंत्री क्रिस फिलिप ने देश के पुलिस प्रमुखों को पत्र लिखकर उनसे अपराधियों को पकड़ने के लिए चेहरे की पहचान करने वाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस तकनीक का इस्तेमाल कर छापेमारी की संख्या दोगुनी करने को कहा है।

मानवीय सहायता को रोकना युद्ध अपराध है : आईसीसी

तेल अवीव (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय यानि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने इजराइल को चेतावनी दी है कि प्रभावित लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचने से रोकना युद्ध अपराध माना जाएगा। आईसीसी अभियोजक करीम खान ने मिस्र और गाजा पट्टी के बीच रफा सीमा का दौरा करने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कई ट्रक गाजा पट्टी में प्रवेश की अनुमति का इंतजार मिस्र में कर रहे हैं। उन्होंने इज़राइल से गाजा में मानवीय सहायता वाले अधिक ट्रकों को अनुमति देने का आह्वान किया और कहा कि आईसीसी 7 अक्टूबर के नरसंहार की गंभीरता से जांच कर रही है जिसमें 1,400 इज़राइली नागरिक मारे गए, 3,000 से अधिक घायल हुए और 239 को बंधक बना लिया गया।

हालांकि, आईसीसी का अधिकार क्षेत्र केवल गाजा और वेस्ट बैंक में है, लेकिन खान ने कहा कि वह 7 अक्टूबर की तबाही की सक्रिय रूप से जांच कर रहे हैं। खान ने कहा कि उनका दफ्तर फिलिस्तीन के क्षेत्र में इज़राइल द्वारा या फिलिस्तीन से इज़राइल में किए गए अपराध की विस्तृत जांच कर रहा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि चल रही जांच 2014 के हमास-इजरायल संघर्ष के दौरान आईसीसी द्वारा की गई जांच का विस्तार है, जिसे उनके पूर्ववर्ती फतौ बेनसौदा द्वारा शुरू किया गया था और 2021 में अनुमोदित किया गया था। इज़राइल आईसीसी का सदस्य नहीं है और उसने रोम क़ानून की पुष्टि नहीं की है और आईसीसी के साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की बिजरानी रेंज में बाघिन की मौत से मचा हड़कंप

रामनगर। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की बिजरानी रेंज में एक बाघिन की मौत होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की बिजरानी रेंज में गश्ती दल को रहस्यमयी परिस्थितियों में एक बाघिन का शव मिलने से महकमे में हड़कंप मच गया, जिसकी सूचना गश्ती दल ने आलाधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचे कॉर्बेट के अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। इस मामले में बिजरानी रेंज के एक वन अधिकारी ने बताया कि एनटीसीए की गाइडलाइन के अनुसार, बाघिन के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बीते शनिवार को शाम साढ़े पांच बजे कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की बिजरानी रेंज के तहत बिजरानी दक्षिणी बीट मलानी ब्लॉक क.सं.18 बिजरानी वीढ क्षेत्र में हाथी गश्ती दलों को एक बाघिन का शव पड़ा मिला, जिसके बाद वनकर्मियों द्वारा घटना से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। इसके बाद बाघिन के शव का पोस्टमार्टम के लिए एक पैनल का गठन किया गया है। पैनल में डॉ. दुष्यंत शर्मा, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, कॉर्बेट टाइगर रिजर्व, डॉ. आयुष उनियाल, पशु चिकित्साधिकारी, पश्चिमी वृत्त, हल्द्वानी, एजी अंसारी, एनटीसीए द्वारा नामित प्रतिनिधि तथा विश्व प्रकृति निधि के प्रतिनिधि कृतिका भावे आदि शामिल थे। वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी द्वारा बाघिन के शव का पोस्टमार्टम किया गया। बाघिन की उम्र लगभग 15 वर्ष थी। मौके पर बाघ के नाखून, दांत, हड्डियां इत्यादि सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं। पोस्टमार्टम के बाद बाघिन के शव को राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण के निर्धारित मानकों के अनुसार जलाया गया। मृत मादा बाघ के अंगों के सैम्पल एकत्र कर परीक्षण के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून भेजा जा रहा है। मृत मादा बाघ की मौत किन कारणों से हुई, इसकी जांच के लिए उप प्रभागीय वनाधिकारी, बिजरानी को जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

यूपी में युवती से 20 दिनों तक सामूहिक दुष्कर्म, सातों आरोपी फरार, पुलिस ने की एफआईआर दर्ज

संभल। संभल में 19 वर्षीय युवती का अपहरण कर पांच लोगों ने 20 दिनों तक उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने कहा कि अपराध में कथित महिलाएं भी शामिल थीं। संभल कोतवाली थाने में सातों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सातों आरोपी फरार हैं और उन्हें पकड़ने को कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़िता के मुताबिक 27 सितंबर को मोहम्मद अरशद और आसिम ने उसका अपहरण कर लिया था। दोनों उसे नशीला पदार्थ खिलाकर मुरादाबाद जिले में अपने दोस्त आशिक खान के घर ले गए, जहां तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में सोनी हुसैन और फैज आलम भी समूह में शामिल हो गए और उसके साथ कई बार मारपीट की। पीड़िता ने कहा कि आरोपियों को दो महिलाओं सायरा बेगम और ज़ेबा खान का समर्थन प्राप्त था। उसने कहा कि वह 12 अक्टूबर को घर से भागने में सफल रही और घर लौट आई। उसकी हालत ठीक नहीं होने पर उसके भाई ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से छुट्टी मिलने पर उसने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक युवती ने सात लोगों के खिलाफ अपहरण और सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाया और प्रारंभिक जांच के बाद हमने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए कई टीमें तैनात की गई हैं।

तेलंगाना : वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 500 से अधिक मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा होगी

हैदराबाद। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा से लगे तेलंगाना के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित (एलडब्ल्यूई) इलाकों में 500 से अधिक मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे ताकि राज्य में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को बाधित करने की हर कोशिश को नाकाम किया जा सके। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध कर रहे निर्वाचन अधिकारियों ने कहा कि 119 में से 14 निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान वामपंथी उग्रवाद के संदर्भ में संवेदनशील इलाकों के रूप में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा से लगे तेलंगाना के आठ जिलों में लगभग 511 मतदान केंद्र ऐसे हैं जिनकी पहचान वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों के रूप में की गई है। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'इसी के अनुसार, राज्य पुलिस बल के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों को अतिरिक्त संख्या में इन इलाकों में तैनात किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में मतदान की अवधि अन्य क्षेत्रों की तुलना में थोड़ी भिन्न होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या अधिकारियों को माओवादियों से किसी खतरे या हिंसा की आशंका है, सीईओ ने कहा, 'हमारे यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, इसलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि ऐसा कुछ नहीं होगा।' उन्होंने साथ ही कहा कि पुलिस किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना के निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और सतर्क है। विकास राज कहा कि अब तक राज्य में केंद्रीय बलों की 100 से अधिक कंपनी आ चुकी हैं जिन्हें जांच चौकी और विभिन्न दलों की आवश्यकता के आधार पर तैनात किया गया है और वे 'फ्लैग मार्च' कर रही हैं।

अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे मराठा आरक्षण कार्यकर्ता जरांगे का स्वास्थ्य जांच कराने से इनकार

मुंबई। मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र के जालना जिले में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने स्वास्थ्य जांच करवाने से इनकार कर दिया है। जालना के कार्यवाहक सिविल सर्जन डॉ. प्रताप घोडके ने सोमवार को पीटीआई-से कहा कि लंबे समय तक भोजन न करने से उनके आवश्यक अंगों और स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है। मराठा समुदाय के सदस्य अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों एवं शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन ने तब जोर पकड़ लिया जब सामाजिक कार्यकर्ता जरांगे प्रदर्शन के दूसरे चरण के तहत जालना में अंतरवाली सराटी गांव में 25 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गए। उनकी अपील पर कई ग्रामीणों ने गांव में राजनीतिक दलों के नेताओं का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। डॉ. घोडके ने कहा, ''जिलाधिकारी और चिकित्सक हर दो-तीन घंटे के बाद जरांगे से संपर्क कर रहे हैं। लेकिन हर बार उन्होंने स्वास्थ्य जांच और उपचार से इनकार कर दिया। इससे उनके जरूरी अंगों जैसे कि गुर्दे और मस्तिष्क पर असर पर सकता है। उनके शरीर में शर्करा का स्तर निम्न हो सकता है और शरीर में पानी की कमी हो सकती है।'' उन्होंने कहा, ''हमने अंतरवाली सराटी में उनके पारिवारिक चिकित्सक के साथ तथा अन्य चिकित्सकों से संपर्क किया है।

दुनियाभर में 650 अरब डॉलर की मादक पदार्थ तस्करी : सीबीआईसी प्रमुख

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने मादक पदार्थों का वैश्विक अवैध कारोबार 650 अरब डॉलर पर पहुंचने का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा-शुल्क अधिकारियों को इन अपराधों का पता लगाने वाली उन्नत तकनीकें एवं जानकारी साझा करनी चाहिए। अग्रवाल ने यहां राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की तरफ से प्रवर्तन मुद्दों में सहयोग विषय पर एक वैश्विक सम्मेलन में कहा कि नशीले पदार्थों का गैरकानूनी कारोबार अब भी मजबूती से जारी है। उन्होंने कहा, ''इनकी तस्करी का आकार करीब 650 अरब डॉलर है जो कुल अवैध अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है। इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा है।'' सीबीआईसी प्रमुख ने कहा कि गैरकानूनी कारोबार से जुड़े अपराधों का संबंध कई बार धनशोधन एवं आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण से भी होता है जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर डालते हैं। उन्होंने कहा, ''निर्यात-आयात धोखाधड़ी से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को खतरा होने की बात हम समझते हैं और यह आर्थिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी हानिकारक है। इस तरह हम अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट को हराने के लिए मिलकर काम करते हैं। इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग एवं समन्वय की निरंतर जरूरत है।' अग्रवाल ने कहा कि इस सम्मेलन का विषय 'नेटवर्क से लड़ने के लिए नेटवर्क की जरूरत' को रेखांकित करता है। यह अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए खुफिया जानकारी और सूचना साझा करने के महत्व पर जोर देता है।

कांग्रेस की सत्ता बरकरार रही तो सिलेंडर रिफिल करने पर पांच सौ रुपए की सब्सिडी मिलेगी : प्रियंका

खैरागढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने छत्तीसगढ़ की जनता से वादा किया है कि राज्य में पार्टी की सरकार बरकरार रहने पर महतारी न्याय योजना लागू की जाएगी जिसके तहत प्रति सिलेंडर की रिफिल करने पर पांच सौ रुपए की सब्सिडी दी जाएगी तथा राज्य में दो सौ यूनिट तक बिजली भी मुफ्त दी जाएगी। प्रियंका ने खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र के जालबांधा गांव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए महिलाओं, आम जनता और किसानों के लिए आठ घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की माताओं बहनों के लिए महतारी न्याय योजना लागू करेंगे, प्रति सिलेंडर की रिफिल करने पर करने पर पांच सौ रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। राज्य में 200 यूनिट तक बिजली भी मुफ्त दी जाएगी। महिला स्व-सहायता समूहों के तथा सक्षम योजना के अंतर्गत लिए गए ऋण माफ किए जाएंगे।

आगामी वर्षों में 700 नए ग्रामीण औद्योगिक पार्कों की स्थापना की जाएगी। प्रियंका ने घोषणा की, राज्य के सभी सरकारी स्कूलों को स्वामी आत्मानंद इंग्लिश और हिंदी मीडियम स्कूलों में अपग्रेड किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के निवासियों के सड़क दुर्घटनाओं में तथा अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओं में घायल होने पर मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत निःशुल्क इलाज किया जाएगा। परिवहन व्यवसाय से जुड़े 6,600 से अधिक वाहन मालिकों के वर्ष 2018 तक के 726 करोड़ राशि के बकाया मोटरयान कर और कर्ज के ब्याज को माफ किया जाएगा तथा राज्य के किसानों से तिवरा फसल को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। बाद में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने हैंडल पर पोस्ट किया, हमारी गारंटी : महतारी न्याय योजना।

फिर से कांग्रेस की सरकार बनते ही छत्तीसगढ़ की माताओं एवं बहनों के लिए महतारी न्याय योजना लागू कर प्रति सिलेंडर की रिफिल करने पर 500 रुपए की सब्सिडी घर की महिला के बैंक खाते में सरकार द्वारा सीधे जमा की जाएगी।'' प्रियंका गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें बुखार है लेकिन जनता की खुशी देखकर उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि वह पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश गई थीं लेकिन वहां की जनता खुश नहीं थी। उन्होंने कहा कि खैरागढ़ राजपरिवार और गांधी-नेहरू परिवार के बीच हमेशा से अच्छे रिश्ते रहे हैं और मुख्यमंत्री बघेल ने कांग्रेस की तरफ से उस रिश्ते को निभाते हुए खैरागढ़ को जिला बनाने की मांग पूरी की। प्रियंका ने छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से जनता के कल्याण के लिए किए गए कामों की सराहना की और कहा कि मध्य प्रदेश की (भाजपा) सरकार के कारण वहां की जनता दुखी है।

उन्होंने कहा ''वहां की सरकार ने 22000 घोषणाएं कीं, लेकिन एक को भी पूरा नहीं किया बल्कि 220 घोटाले कर दिए।'' उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में किसानों, महिलाओं, आदिवासियों, दलितों सभी के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि पहले बस्तर नक्सल समस्या के लिए जाना जाता था लेकिन आज वह मिलेट यानी मोटे अनाज के उत्पादन के लिए जाना जाता है। प्रियंका ने जाति आधारित जनगणना की वकालत करते हुए कहा ''जब संख्या के बारे में जानकारी ही नहीं होगी तब योजनाएं कैसी बनेंगी? लोगों का विकास कैसे होगा? भाजपा केवल कहती है कि वह एसटी, एससी, ओबीसी का उत्थान करना चाहती है लेकिन जब जाति जनगणना की बात आती है तब वह साफ मना कर देती है।'' उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा, महिला आरक्षण विधेयक पारित कर दिया गया।

खूब प्रचार किया गया लेकिन जानकारी मिली कि यह 10 साल तक लागू नहीं होगा। प्रचार हो जाता है, पब्लिसिटी भी हो जाती है लेकिन जमीन पर काम नहीं होता है। यह इनकी राजनीति है। प्रियंका ने जनता से आग्रह किया कि वह अपने और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस को वोट दें। खैरागढ़ छत्तीसगढ़ की उन 20 विधानसभा सीटों में से एक है जहां सात नवंबर को पहले चरण में मतदान होगा। अन्य 70 सीटों पर दूसरे चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा। कांग्रेस ने खैरागढ़ सीट से मौजूदा विधायक यशोदा वर्मा को चुनाव मैदान में उतारा है।

सुप्रीम कोर्ट में राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे को लेकर दिया सरकार ने बयान, कहा जानकारी हासिल करना जनता का मौलिक अधिकार नहीं

नई दिल्ली। राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदू को लेकर सुप्रीम कोर्ट में खास सुनवाई हो रही है। इस मामले में इलेक्टोरल बॉन्ड व्यवस्था को चुनौती दिए जाने पर सुनवाई हो रही है। अटॉर्नी जनरल अरे वेंकट रमन ने सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में अपना जवाब दाखिल कर दिया है। इस मामले पर केंद्र सरकार की वकील का कहना है कि किसी राजनीतिक दल को मिलने वाले चांदी की जानकारी हासिल करना नागरिकों का मौलिक अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि चांदी की जानकारी लोगों को नहीं मिल पाती सिर्फ इस आधार पर इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को खारिज नहीं किया जा सकता है। बता दे कि इस मामले पर चीफ जस्टिस डी य चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में पांच जजों की संविधान पीठ 31 अक्टूबर को सुनवाई शुरू करेगी। पांच जजों की संविधान पीठ की सुनवाई से पहले सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से इस मामले पर राय मांगी थी। इस मामले पर अटॉर्नी जनरल ने कहा है कि राजनीतिक दलों को मिलने वाले चांदी के लिए बनाई गई इलेक्टोरल बांड की व्यवस्था एक नीतिगत विषय है। सुप्रीम कोर्ट के दखल को लेकर यह भी कहा गया कि कोर्ट सिर्फ तभी दखल देता है जब नागरिकों के मौलिक या कानूनी अधिकारों का उल्लंघन होता है। हालांकि इलेक्टरल बॉन्ड की जानकारी पाना किसी भी स्थिति में जनता का अधिकार नहीं है। बल्कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(सी) के तहत संगठन बनाना और उसे चलाना मौलिक अधिकार है। संविधान के आदेश के तहत यह अधिकार राजनीतिक दलों को भी मिलता है। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि अपने आपराधिक रिकार्ड की जानकारी उम्मीदवार चुनावी हलफनामे में उपलब्ध कराता है। फिलहाल जनता को ऐसा कोई अधिकार नहीं दिया गया है कि राजनीतिक चांदी की जानकारी उन्हें उपलब्ध कराई जाए। इस मामले में चुनाव आयोग भी अपनी राय पहले दे चुका है। इलेक्टरल बॉन्ड व्यवस्था को लेकर चुनाव आयोग ने कहा था कि इसमें पारदर्शिता नहीं है।

आतंकवाद पर सीधा संदेश, भारत की मजबूत स्वतंत्र विदेश नीति को लेकर एस जयशंकर ने क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद पर सुसंगत रुख अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि भारत आतंकवाद पर एक मजबूत रुख रखता है क्योंकि हम आतंकवाद के बड़े पीड़ित हैं। भोपाल के एक टाउन हॉल में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि आज, एक अच्छी सरकार और मजबूत शासन अपने लोगों के लिए खड़ा होता है। जिस तरह घर में सुशासन जरूरी है, उसी तरह विदेश में भी सही निर्णय जरूरी है। हम इस पर मजबूत रुख अपनाते हैं। आतंकवाद क्योंकि हम आतंकवाद के बड़े पीड़ित हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी कोई विश्वसनीयता नहीं होगी अगर हम कहें कि जब आतंकवाद हमें प्रभावित करता है, तो यह बहुत गंभीर है। जब यह किसी और के साथ होता है, तो यह गंभीर नहीं है। हमें एक सुसंगत स्थिति रखने की आवश्यकता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के उस प्रस्ताव को रोक दिया था जिसमें हमास के आतंकवादी हमलों की निंदा नहीं की गई थी। जॉर्डन के प्रस्ताव में गाजा में इजरायली बलों और हमास आतंकवादियों के बीच तत्काल, टिकाऊ और निरंतर मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया गया, जिस पर भारत ने मतदान में भाग नहीं लिया। हालाँकि, भारत ने कनाडाई प्रस्ताव का समर्थन किया जिसमें हमास द्वारा आतंकवादी हमलों की निंदा की गई थी।

जॉर्डन के नेतृत्व में मसौदा प्रस्ताव को पक्ष में 120 वोटों के साथ महासभा से मंजूरी मिल गई, जबकि 14 ने इसके खिलाफ मतदान किया और आइसलैंड, भारत, पनामा, लिथुआनिया और ग्रीस सहित 45 मतदान से अनुपस्थित रहे। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा के आपातकालीन विशेष सत्र के दौरान इज़राइल-फिलिस्तीन संकट को संबोधित करते हुए अपनाया गया था। यूएनजीए ने अतिरिक्त रूप से एन्क्लेव के भीतर नागरिकों को जीवन रक्षक सहायता और सेवाओं की निरंतर, पर्याप्त और निर्बाध डिलीवरी का आह्वान किया। भोपाल में विदेश मंत्री जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया भर में भारत की छवि कैसे बदल गई है और कहा कि एक मजबूत सरकार और अच्छी सरकार एक सिक्के के दो पहलू हैं। पिछले कुछ दशकों में, दुनिया में भारत की छवि बहुत बदल गई है। 'मेड इन इंडिया'...'इनवेंट इन इंडिया' वैक्सीन, हमारे पास COWIN प्लेटफॉर्म भी हमने बनाया है। जयशंकर ने यह भी कहा कि पिछले पांच वर्षों में, हमने अपनी खुद की 5जी तकनीक बनाई है...आज हमने कोविड से लड़ाई लड़ी है, हमने 5जी तैनात किया है; पिछले कुछ हफ्तों में जो कुछ भी हुआ है, चंद्रयान मिशन...उसने पूरी दुनिया पर प्रभाव छोड़ा है।

मप्र में 50 एकड़ जमीन का मालिक भी घूस देकर गरीबी रेखा से नीचे की सूची में शामिल हो सकता है : कमलनाथ

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर भ्रष्टाचार को शासकीय व्यवस्था का अंग बना देने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने सोमवार को कहा कि राज्य में 50 एकड़ जमीन का मालिक भी घूस देकर गरीबी रेखा से नीचे की सूची में शामिल हो सकता है। कमलनाथ ने इंदौर जिले की नौ विधानसभा सीटों के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की नामांकन रैली में कहा,''सूबे में भ्रष्टाचार की व्यवस्था बना दी गई है-पैसे दो, काम लो। कल मैं रायसेन और विदिशा में था। मुझे वहां बताया गया कि भ्रष्टाचार इस हद तक पहुंच गया है कि कोई व्यक्ति 50 एकड़ जमीन का मालिक होने पर भी पैसे देकर गरीबी रेखा से नीचे की सूची में अपना नाम लिखवा सकता है।''

कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर हमला बोलते हुए कहा,''शिवराज कहूं या ठगराज, इन्होंने पिछले 18 सालों में किस तरह हमारे प्रदेश को ठगा है। शिक्षा, स्वास्थ्य या निवेश हो, इन्होंने सब कुछ चौपट कर दिया है और मध्यप्रदेश को चौपट प्रदेश बना दिया है।'' उन्होंने चौहान पर झूठी घोषणाओं का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले पांच महीनों में मुख्यमंत्री की झूठ बोलने की मशीन दोगुनी रफ्तार से चल रही है। कमलनाथ ने यह दावा भी किया कि सूबे में एक करोड़ नौजवान बेरोजगार हैं।

कांग्रेस उम्मीदवारों की नामांकन रैली में पार्टी की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग भी शामिल हुए। वडिंग ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र किए बगैर कहा कि भाजपा द्वारा कमलनाथ के खिलाफ दुष्प्रचार किया जाता है कि उन्होंने सिखों पर अत्याचार किया था। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा,''कमलनाथ के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं है, लेकिन भाजपा के साथियों को कमलनाथ से डर लगने लगा है। इसलिए वे दिल्ली से सरदार (सिख) भेजते हैं जो दुष्प्रचार करते हैं कि उन्होंने (सिखों पर) अत्याचार किया था।

सहमति से विवाह करने वाले वयस्कों के जीवन में कोई भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता, अनुच्छेद 21 को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिया बयान

नई दिल्ली। दो व्यस्कों के स्वेच्छा से विवाह करने के मामले पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने बड़ा बयान दिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि जब दो लोग स्वेच्छा से एक दूसरे से विवाह करने का फैसला लेते हैं तो ऐसी स्थिति में उनके जीवन में हस्तक्षेप करने का किसी को कोई अधिकार नहीं होता है। यह कहते हुए संविधान के अनुच्छेद 21 में व्यक्तिगत पसंद के अधिकार का जिक्र भी हाईकोर्ट ने किया है। इस मामले पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 सभी व्यक्तियों को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा देता है, जिसके तहत व्यक्तिगत पसंद का चुनाव करना, विशेष रूप से विवाह से संबंधित मामलों में, प्रत्येक व्यक्ति का अंतर्निहित अधिकार है। अदालत ने एक जोड़े को पुलिस सुरक्षा प्रदान करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्होंने अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध मुस्लिम रीति-रिवाजों और समारोहों के अनुसार 6 अक्टूबर को शादी की थी। जब यहां पार्टियां दो सहमति वाले वयस्क हैं जिन्होंने स्वेच्छा से विवाह के माध्यम से हाथ मिलाने के लिए सहमति व्यक्त की है, तो कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में समाज, माता-पिता, रिश्तेदार कोई भी बाधा नहीं बन सकता है। अदालत ने ये भी कहा कि यहां पार्टियों के जीवन में हस्तक्षेप करने के लिए किसी के पास कुछ भी नहीं बचा है। बता दें कि अदालत ने एक दंपति द्वारा परिवार के सदस्यों की ओर से मिली धमकियों के खिलाफ सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था और अदालत से मदद मांगी थी। उनका मामला था कि उस व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही थी।

सड़कों पर उतरने के बजाय न्यायिक प्रणाली में भरोसा रखें लोग: उपराष्ट्रपति धनखड़

गुवाहाटी (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को लोगों से कानूनी मुद्दों से निपटने के लिए सड़कों पर उतरने के बजाय देश की न्यायिक प्रणाली में भरोसा रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश की शासन प्रणाली की 'सफाई कर दी गई है और सत्ता के दलालों को निष्प्रभावी बना दिया गया है।' असम की एक दिवसीय यात्रा के दौरान गुवाहाटी की कॉटन यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, ''कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें जब भी अदालत या जांच एजेंसियों से समन मिलता है, तो वे सड़कों पर उतर आते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास एक मजबूत न्यायिक प्रणाली है। हम इसका लाभ क्यों नहीं उठाते? हमारी अदालतों ने बहुत शानदार काम किया है।''

उपराष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा शासन के तहत भ्रष्टाचार को सिस्टम से खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''मैंने ऐसा समय भी देखा है, जब यह सोचा जाता था कि कानून कुछ लोगों तक नहीं पहुंच सकता, दलाल हर जगह थे और भ्रष्टाचार व्याप्त था। लेकिन वह समय अब खत्म हो गया है।'' धनखड़ ने कहा, ''एक दौर था, जब हमारे सत्ता के गलियारे और शासन प्रणाली सत्ता के दलालों और भ्रष्ट तत्वों से भरे हुए थे। इन गलियारों को अब साफ कर दिया गया है और दलालों को निष्क्रिय बना दिया गया है।''

उपराष्ट्रपति ने दावा किया कि आम नागरिकों और छात्रों को मौजूदा स्थिति से सबसे ज्यादा फायदा होगा। उन्होंने युवाओं से सभी क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। धनखड़ ने कहा कि भारत का विकास कुछ वर्गों को पसंद नहीं आ रहा है और उन्होंने छात्रों से ऐसी ताकतों को हराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''भारत की आवाज अब वैश्विक स्तर पर शीर्ष पर है, लेकिन यह कई लोगों को पसंद नहीं आ रही है... भारत विरोधी विमर्श को बेअसर करना हमारा कर्तव्य है।

राम लला की दर्शन नए मंदिर में इस दिन से कर सकेंगे भक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। राम मंदिर के निर्माण का प्रथम चरण दिसंबर में समाप्त हो जाएगा। इसी बीच भक्तों के लिए एक बड़ी जानकारी सामने आई है। राम भक्त अब राम लला के दर्शन जनवरी 2024 से कर सकेंगे। जानकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं के लिए राम मंदिर में दर्शन अगले वर्ष 16 जनवरी से 24 जनवरी के बीच शुरू हो सकता है। इसी दौरान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जा सकती है।

बता दें कि 16 जनवरी से प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शुरू होगा जो की 22 जनवरी तक जारी रह सकता है। इस बेहद खास समझ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे। वही भक्तों के लिए रामलला के दर्शन प्राण प्रतिष्ठा होने के दो दिन बाद शुभ मुहूर्त के अनुसार खोले जाएंगे।

जाने कब होगी राम लला की प्राण प्रतिष्ठा

बता दें कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलाल की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। प्राण प्रतिष्ठा करने के लिए शुभ मुहूर्त निकाला जा चुका है जो लगभग दोपहर 12:30 बजे का है। बता दें कि प्राण प्रतिष्ठा के लिए शुभ मुहूर्त मृगशिरा नक्षत्र को लिया गया है।

लगभग मंदिर निर्माण 1 वर्ष पहले शुरू हुआ था जिसमें अब काफी उन्नति हो चुकी है। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर निर्माण का पहला चरण पूरा होने वाला है। पहले चरण का अधिकतर काम पूरा हो चुका है और मंदिर अपना मूर्त रूप ले चुका है। बताने की मंदिर का निर्माण कार्य दो भागों में होना है। पहले चरण के अंतर्गत मंदिर का ग्राउंड फ्लोर बनकर तैयार हो चुका है जो ढाई एकड़ से अधिक जमीन में फैला हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

कानून -व्यवस्था और गुजरात में शराबबंदी या मजाक ?

सूरत के पांडेसरा इलाके में देशी शराब ले जा रही मोपेड फिसलने से शराब की थेलियां सड़क पर बिखर गई

लोगों में सड़क पर शराब की थेलियां उठाने की होड़ मच गई.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके से एक अजीब घटना सामने आई। हादसा उस समय हुआ जब मोपेड चालक देशी शराब की बोरियां लेकर सड़क पर फिसल गया। इस हादसे के कारण शराब की बोतलें सड़क पर ही बिखर गईं, जिसके कारण लोग शराब की बोतलें सड़क पर ले जाने के लिए दौड़ पड़े और लूटपाट करने लगे. सोशल मीडिया पर जब लोगों की पोटली लूटने के वीडियो वायरल हो रहे हैं तो पांडेसरा इलाके में हुए एक हादसे ने पुलिस की पोल खोल दी.

पांडेसरा में शराब की बोरियां ले जा रही मोपेड के अचानक फिसल जाने से लोग शराब लेने के लिए दौड़ रहे थे , जिससे सारी शराब सड़क पर फैल गई। जब मोपेड चालक देशी शराब की मात्रा लेकर भाग गया तो सड़क पर बिखरी हुई शराब की मात्रा को लोग लूटकर घर ले गए। मुख्य सड़क पर लोगों में शराब की बोतलें लेने के लिए होड़ मची रही. शराब के लिए सड़क पर हाथापाई का ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया.

पुलिस की पोल खुलते हुए

पुलिस दावा कर रही है कि वह सूरत में शराबबंदी को सख्ती से लागू कर रही है, लेकिन इन सबके बीच आज शहर से एक अजीब घटना सामने आई। सूरत के पांडेसरा इलाके में हुए हादसे ने शराबबंदी के खिलाफ पुलिस की सख्ती की पोल खोल दी. पांडेसरा क्षेत्र में मुख्य बीआरटीएस मार्ग से एक मोपेड चालक शराब की थैलियां लेकर जा रहा था। इसी दौरान मोपेड के अचानक सड़क पर फिसल जाने से हादसा हो गया. हादसे के कारण सारे पैकेट सड़क पर बिखर गए।

पुलिस ने जांच की तो

जानकारी मिल रही है कि स्थानीय कुख्यात शराब तस्कर कालूडुंडी पांडेसरा में मोपेड पर देशी शराब की बोरियां लेकर जा रहा था. यह वीडियो वायरल होने के बाद पांडेसरा पुलिस को इस घटना की जानकारी हुई. फिलहाल इस घटना को लेकर पांडेसरा पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरूकर दी है.

7 वीं मंजिल पर फ्लैट में दो साल का बच्चा फंस गया, दमकलस्टाफ ने दरवाजा तोडकर बच्चे का रेस्क्यु किया

परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए थे तो बच्चा अंदर लोक हो गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उंची इमारत की ७वीं मंजिल पर एक फ्लैट में दो साल का बच्चा फंस गया, जिसे दरवाजा तोड़कर बचाया गया। तभी जहांगीरपुरा इलाके के वीर सावरकर हाइट्स में सातवीं मंजिल के फ्लैट में एक बच्चा फंस गया था। बच्ची कमरे में अकेली रो रही थी। तो सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड ने रेस्क्यू कर बच्चे को सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया। घटना की जानकारी के मुताबिक, जहांगीरपुरा इलाके में वीर सावरकर हाइट्स की सातवीं मंजिल पर फ्लैट नंबर 702 में दो साल का एक बच्चा फंसा हुआ था। परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए थे तो बच्चा अंदर बंद था। बच्चे को यह भी नहीं पता था कि दरवाजा कैसे खोला जाता है। बच्चा केवल रो रहा था इसलिए परिवार को चिंता हुई और उन्होंने फायर ब्रिगेड को फोन किया।

मोराभागल फायर स्टेशन के सब फायर ऑफिसर धर्मेश पटेल ने बताया कि एक बच्चे के फंसे होने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर फायर उपकरण से दरवाजा तोड़ा गया। बाद में बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालाँकि, इस तरह की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं इसलिए हर माता-पिता को अपने बच्चों की देखभाल करने के साथ दरवाजा बंद करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए।

अदानी फाउंडेशन ने उमरपाड़ा की आदिवासी महिलाओं के लिए एक प्रेरणा यात्रा का आयोजन किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, हजीरा स्थित अदानी फाउंडेशन आदिवासी महिलाओं को आजीविका प्रदान करने के उद्देश्य से उमरपाड़ा तालुक में विभिन्न गतिविधियां कर रहा है। इसी क्रम में बीआईएफ इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल लाइवलीहुड ने उमरपाड़ा तालुक के घानावड, चोखवाड़ा, पांच आंबा, उमरगोट, केवड़ी और सादरापानी गांवों के 21 सखी मंडलों की कुल 155 बहनों को अन्य क्षेत्रों की सफल गतिविधियों को देखने, समझने और प्रेरणा लेने के लिए आमंत्रित किया। डांग जिले में चल रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करने के लिए कुल तीन प्रेरक यात्राएँ आयोजित कीं। दौरे में उमरपाड़ा क्षेत्र के कोतवालीया भी

कार्टून

अलथाण थाने से 700 मीटर दूर डकैती, पेट्रोल पंप कर्मचारी से 4.30 लाख रुपए लूटे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बाईक लेकर आए लुटेरों ने पंपकर्मी को लात मारकर गिरा दिया और कंधे पर लटका नगद भरा बैग लूट लिया

सूरत में लूट की एक और वारदात हुई है। इस बार अलथाण पुलिस स्टेशन से 700 मीटर की दूरी पर लूट की वारदात सामने आई है। देर रात पेट्रोल पंप कर्मचारी से 4.30 लाख की लूट हुई। इसलिए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के आधार पर जांच की है और नाकेबंदी कर दी है।

अलथाण में बाइक पर दो लुटेरे आए। जिसने पेट्रोल पंप कर्मचारी को लात मारकर उसे गिरा दिया। उसके कंधे पर लटका 4.30 लाख की नकदी से भरा बैग लूट लिया और भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही अलथाण पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा।

डकैती के बाद पुलिस ने पूरे शहर की नाकेबंदी कर दी थी। अलथाण पुलिस ने पेट्रोल पंप कर्मी की शिकायत ले ली है और लूट का अपराध दर्ज करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने लुटेरों को पकड़ने के लिए शहर भर में नाकेबंदी और वाहन चेकिंग लगा दी है। संभावना है कि कर्मचारियों में से ही किसी ने लूट की वारदात को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से जांच शुरूकर दी है।

दिवाली अवकाश से पहले नई उड़ानें शुरू दीव-सूरत-दीव उड़ान सेवा शुरू

छोटे विमान से 50 यात्री ले जाएंगे, एयरपोर्ट पर वाटर कैनन से स्वागत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : दिवाली की छुट्टियों से पहले इंडिगो एयरलाइंस ने सूरत-दीव-सूरत फ्लाइट शुरू कर दी है। सूरत से 30 से अधिक यात्रियों को लेकर दीव के लिए रवाना होने वाले छोटे एटीआर विमान को वाटर कैनन सैल्यूट के साथ पानी की सलामी दी गई।

दिवाली वेकेशन में अच्छी बुकिंग मिलने की उम्मीद

यह उड़ान बिना किसी प्रकार की घोषणा, प्रचार-प्रसार के शुरू की गई है। एयरलाइंस ने एक घंटे से कम की उड़ानों के लिए टिकट दरें उंची रखी हैं। दिवाली अवकाश और विक के आखिरी तीन दिनों के दौरान एयरलाइंस को इस दैनिक उड़ान के लिए अच्छी बुकिंग मिलने की उम्मीद है।

सूरत से अपेक्षाकृत अच्छा रिस्पॉन्स मिला

उड़ान संख्या 6ई 7967 दीव से 14:30 बजे प्रस्थान करती है और 15:30 बजे सूरत पहुंचती है। जबकि उड़ान संख्या 6ई 7968 सूरत से 15:50 बजे प्रस्थान करती है और 16:40 बजे दीव पहुंचती है। सूरत से अपेक्षाकृत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हालांकि, दिवाली वेकेशन के चलते फ्लाइट को अच्छा रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद है।

सचिन में कुत्तों का आतंक, 9 और 10 साल के दो भाइयों को कुत्तों ने काटा

मां इंजेक्शन लगवाने सिविल गई,कहा- 'बच्चे घर से निकलने से डरते हैं'

सूरत के सचिन इलाके में दो भाइयों को कुत्तों ने काटा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सूरत के सचिन इलाके में कुत्तों के आतंक का मामला

सामने आया है ।9 और 10 साल के दो बच्चों को लेकर मां सिविल अस्पताल पहुंची। जहां इंजेक्शन की खुराकें ली गईं। दोनों बच्चों की मां ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कुत्तों का आतंक इस प्रकार बढ़ा है कि बच्चे घर से निकलने से भी डरते हैं।

सचिन इलाके में सिद्धि गणेश सोसायटी में रहने वाली मेनका मिश्रा ने बताया कि हाल के दिनों में कुत्तों का आतंक काफी बढ़ गया है। सोसायटी में खेल रहे बच्चों पर कुत्ते हमला कर रहे हैं। गंदगी और मछली की दुकानों के कारण कुत्तों का प्रचलन बढ़ गया है। बच्चे घर के आस पास खेलते समय या दौड़ते हैं तो तुरंत कुत्ते काटने लगते है।

आगे कहा गया कि पिछले कुछ दिनों में 15 से ज्यादा लोगों पर कुत्तों ने हमला किया है। मेरे दोनों बेटों को कुत्तों ने तीन-तीन बार काटा है। मैं इंजेक्शन लगवाने के लिए बच्चों को लेकर सिविल अस्पताल आई हूं। दोनों बच्चों के पैरों और शरीर के पिछले हिस्से पर काटा है।

कक्षा 4 में पढ़ने वाले 9 साल के शोभित मिश्रा ने बताया कि वह छड़ी लेने के लिए पास की सोसायटी में गया था। सड़क पर पड़ी एक छड़ी उठाते समय एक कुत्ता दौड़ता हुआ आया और उसके पैर में काट लिया। फिर मां उसे सिविल अस्पताल आ गई।

नगर निगम ने 11 टीमें बनाकर एक ही दिन में 80 से ज्यादा आवारा मवेशियों को जब्त किया

आवारा मवेशियों को पकडे नगर निगम कर्मचारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कोर्ट द्वारा सरकार को फटकार लगाने के बाद सूरत नगर निगम, कलेक्टर कार्यालय और पुलिस द्वारा संयुक्तकार्रवाही

सूरत :सूरत सहित पूरे गुजरात में आवारा मवेशियों की क्रूरता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, साथ ही मवेशियों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही है। इस बीच पिछले शुक्रवार को कोर्ट में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई। इसके बाद सरकार ने सूरत सहित सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं को आवारा मवेशियों की समस्या को दूर

आवारा मवेशियों की समस्या पर कोर्ट द्वारा सरकार को फटकार लगाने के बाद सूरत नगर निगम, कलेक्टर कार्यालय और पुलिस के बीच एक संयुक्त बैठक हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि तीन विभागों

अभियान शुरू किया और शहर के अलग-अलग इलाकों में करीब 80 आवारा मवेशियों को जब्त किया और यह कार्रवाई सोमवार को भी जारी है।

चांदनी पडवा उत्सव का दिन होने के बावजूद नगर निगम ने पुलिस के साथ आवारा मवेशियों को पकड़ने का अभियान जारी रखा।

शहर के विभिन्न इलाकों में करीब 80 आवारा मवेशियों को पकड़कर पिंजरे में डाला गया। कल पालिका ने 11 टीमें बनाकर कार्य किया, आज सोमवार को भी पालिका टीमों की संख्या बढ़ाकर अपना प्रभावी संचालन जारी रखा है।